सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

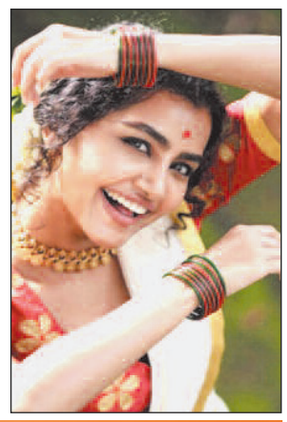

कांवड़ मार्गों पर एसपी का दौरा, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा पेज: 4

मेरे करियर के हर पड़ाव पर पति करण बड़ा सपोर्ट बनकर सामने पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 139 | सोमवार 24 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

दिल्ली में स्वाइन फ्लू का प्रकोप, सरकार ने जारी की स्वास्थ्य एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने नागरिकों के लिए एक विस्तृत स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की है। इस वर्ष अब तक 1,777 से अधिक एच1एन1 संक्रमणों सहित कुल 2,300 से अधिक इन्फ्लुएंजा-ए के मामले सामने आ चुके हैं, जिसके बाद प्रशासन ने लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। एडवाइजरी में श्वसन संबंधी स्वच्छता अपनाने, भीड़भाड़ वाली जगहों से बचने और बुखार, खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखने पर तत्काल डॉक्टरी सलाह लेने का आग्रह किया गया है। लोगों को खांसते-छींकते समय मुंह ढकने, नियमित हाथ धोने, भीड़भाड़ में मास्क पहनने और बीमार लोगों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही, आंखों-नाक को छूने से बचने, सार्वजनिक स्थानों पर न थूकने और पर्याप्त तरल पदार्थ लेने पर जोर दिया गया है। बिना डॉक्टरी सलाह के दवा लेने से बचने को भी कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इन्फ्लुएंजा से निपटने की पूरी तैयारी होने का दावा किया है, जिसमें अस्पतालों में पर्याप्त बिस्तर, दवाएं और मेडिकल उपकरण मौजूद हैं। 35 अस्पतालों को विशेष निगरानी में रखा गया है, जबकि एम्स और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र को रेफरल प्रयोगशालाएं बनाया गया है। शुक्रवार तक दिल्ली में इन्फ्लुएंजा के कुल 2,602 मामले सामने आए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा के साथ बैठक में तैयारियों की समीक्षा भी की।

गुजरात में नकली शराब से मौतों का सिलसिला, 15 की मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले में जहरीली नकली शराब पीने से मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। शनिवार को इलाज के दौरान तीन और लोगों की मौत हुई। इनमें भावनगर के दो मरीज और सूरत में भर्ती एक सुरक्षा जवान भी शामिल है। इस मामले में जहरीली शराब में मेथनॉल मिलाए जाने की बात सामने आई है। शराब को एक लोकप्रिय विदेशी शराब ब्रांड की नकली बोतलों में भरकर बेचने का आरोप है। पुलिस ने अब तक 21 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुजरात पुलिस ने मध्य प्रदेश से मुख्य आरोपी रईस को गिरफ्तार किया है। ताजा जानकारी के अनुसार 17 लोग अभी अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। वह आईसीयू में उपचाररत हैं। वहीं 17 मरीजों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। पुलिस को आशंका है कि इस जहरीली शराब के निर्माण में इस्तेमाल कच्चा माल मध्य प्रदेश और अहमदाबाद से लाया गया था। जांच में पूरे नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास जारी है।

दिल्ली पुलिस के जवानों को लोगों ने लाठी-डंडों से पीटा, मिर्ची पाउडर भी डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई से नाराज कुछ लोगों ने जवानों पर लाठी-डंडों से अटैक कर दिया। आरोपियों ने मिर्च पाउडर भी जवानों पर फेंका। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है कि आरोपी किस तरह से कानून-व्यवस्था को अपने हाथों में लेते हुए पुलिस के जवानों पर निर्ममता से लाठियां बरसा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक आउटर नॉर्थ जिले के भलस्वा डेयरी इलाके में ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाइक को दस्तावेज नहीं होने के कारण पुलिस द्वारा जब्त किए जाने से नाराज कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्ची पाउडर फेंका और ईंट-पत्थर व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पुलिस ने मौके से एक किशोर को पकड़ है, जबकि अन्य आरोपी फरार हैं।

सीएम का पुतला फूंकने की कोशिश में पुलिस से झड़प, 15 बीजेपी कार्यकर्ता हिरासत में

गिरिडीह (एजेंसी)। झारखंड के गिरिडीह में सीएम हेमंत सोरेन का पुतला फूंकने की कोशिश करते समय बीजेपी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। इसके बाद बीजेपी के 15 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। बीजेपी की नगर इकाई के अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने सीएम का पुतला लेकर जुलूस निकाला था। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनसे पुतला छीन लिया, जिसके बाद झड़प हुई। गिरिडीह के अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि 15 बीजेपी के लोगों को हिरासत में लिया गया है। बाद में कई लोगों ने गिरफ्तारी दी। बाद में छोड़ दिया। बाद में कुछ कार्यकर्ताओं ने सीएम की तस्वीर वाला एक अन्य पुतला टावर चौक के पास फूंक दिया। इस बीच हजारीबाग जिले में सैकड़ों छात्रों ने पुलिस के कथित लाठीचार्ज के विरोध में 'मौन जुलूस' निकाला। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने पुलिसकर्मियों को गुलाब के फूल दिए। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि गुलाब देने का उद्देश्य यह संदेश देना था कि पुलिस लाठीचार्ज करे या पानी की बौछार मारे, फिर भी हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा।

एक देश एक चुनाव की कवायद तेज, इसी आम चुनाव में होगा लागू?

एक चुनाव के लिए 2034 की डेडलाइन घटाकर 2029 करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी।

देशभर में लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ कराने को लेकर कवायद तेज हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक देश, एक चुनाव को लेकर बनाई गई संसद की संयुक्त समिति ने भी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस बारे में सलाह लेनी शुरू कर दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार एक देश एक चुनाव के लिए 2034 की डेडलाइन को घटाकर 2029 ही करना चाहती है। यानी अगला लोकसभा चुनाव बिल्कुल अलग अंदाज में हो सकता है। इसके साथ ही विधानसभा के चुनाव भी करवाए जा सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो एक साथ ही सभी राज्य की विधानसभाओं को भंग कर दिया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश के चुनाव चक्र को सुव्यवस्थित करना, चुनावी खर्च को कम करना और बार-बार होने वाली आदर्श आचार संहिता के कारण विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं को दूर करना है।

इस समय देश के 22 राज्यों में एनडीए की सरकार है। इनमें से 11 राज्यों में अगले दो सालों में विधानसभा का चुनाव होना है। चार ऐसे राज्य हैं जिनमें लोकसभा चुनाव के

साथ ही चुनाव हो सकते हैं। इनमें आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और ओडिशा का नाम शामिल है। 2024 में एक देश एक चुनाव को लेकर जो कमेटी बनाई गई थी उसका टारगेट यही था कि 2034 में साथ में चुनाव कराने को लेकर रणनीति तैयार की जाए। अब सरकार इस प्रयास में है कि इसके लिए ज्यादा इंतजार ना किया जाए और इसे जल्द से जल्द लागू किया जाए। इसका मतलब यह है कि देश की चुनावी प्रणाली में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है, जिससे राजनीतिक परिदृश्य भी प्रभावित होगा।

संयुक्त संसदीय समिति पिछले दो साल से अपने काम में लगी है और इस शीत सत्र में संसद में रिपोर्ट जमा कर सकती है। संविधान का अनुच्छेद 174 2, बी राज्यपाल को विधानसभा भंग करने का अधिकार देता है। ऐसे में अगर एक साथ चुनाव करवाने होंगे तो जनवरी में ही राज्यों की विधानसभा भंग कर दी जाएगी। जिन राज्यों में एनडीए की सरकार है वहां यह आसान होगा, क्योंकि मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही राज्यपाल विधानसभा भंग कर सकते हैं। यह प्रक्रिया कई राज्यों में संवैधानिक और राजनीतिक चुनौतियां भी पैदा कर सकती है, खासकर उन राज्यों में जहां सरकार का कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ है।

संसद का शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होता है और क्रिसमस से पहले संपन्न हो जाता है। यह 41 सदस्यीय समिति एक देश, एक चुनाव व्यवस्था को लागू करने के लिए संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 पर विचार-विमर्श कर रही है। समिति 2029 तक, लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव पर देश भर में परामर्श कर रही है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए कई संवैधानिक संशोधनों और व्यापक राजनीतिक सहमति की आवश्यकता होगी। बीजेपी के कुछ मुख्यमंत्रियों ने पहले ही लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा के चुनाव कराने की इच्छा जाहिर की है। गोवा, हरियाणा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों ने इसका समर्थन किया है। इसके साथ ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी 1 जुलाई को कमेटी के साथ बैठक की थी। यह पहल देश में शासन और चुनावी प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस : दिग्गजों ने सराहना कर वैज्ञानिकों को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर देश भर के केंद्रीय मंत्रियों और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भारत के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। यह दिवस वर्ष 2023 में चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता की स्मृति में मनाया जाता है, जिसने पूरी दुनिया को भारत की अंतरिक्ष क्षमता का परिचय कराया था। यह उपलब्धि हमारे वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम और अदम्य संकल्प का परिणाम है, जिसने भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा, आज हम अंतरिक्ष में भारत की असाधारण यात्रा का सम्मान करते हैं, जिसमें शुरुआती मिशनों से लेकर चंद्रयान और उससे आगे के मिशन शामिल हैं। हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और इनोवेटर्स की प्रतिभा, लगन और साहस को सलाम। उनकी उपलब्धियां हर युवा भारतीय में जिज्ञासा जगाएं और अगली पीढ़ी को नई सीमाओं को खोजने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की प्रगति और भविष्य की संभावनाओं पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा, भारत के समस्त वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। वर्ष 2023 में आज ही के दिन देश के महान वैज्ञानिकों ने अपनी उत्कृष्ट शोध-क्षमता, असाधारण कौशल और अथक परिश्रम से चंद्रमा पर सफलतापूर्वक चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग कराकर अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान रचा था। उन्होंने आगे लिखा, आज राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर हम सभी वैज्ञानिकों और उनकी टीम का अभिनंदन करते हैं, जिन्होंने स्वदेशी के सामर्थ्य से भारत को वैश्विक पटल पर एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की सभी वैज्ञानिकों और प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए लिखा, यह दिवस चंद्रमा से लेकर अंतरिक्ष की अनंत संभावनाओं तक भारत की साहसिक उड़ान, वैज्ञानिक सामर्थ्य और नवाचार की अद्भुत यात्रा का उत्सव है। प्रधानमंत्री के यशस्वी नेतृत्व में विज्ञान, अनुसंधान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित करता नया भारत, विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई गति और वैश्विक पहचान प्रदान कर रहा है।

कांग्रेस हिंदू विरोधी नैरेटिव सेट करने की कोशिश कर रही: बीजेपी

-राहुल गांधी को धर्मग्रंथों को पॉलिटिकल नजरिए से नहीं देखना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी।

राहुल गांधी ने पुणे में मनु-स्मृति को लेकर कहा था कि उसमें महिलाओं के अपमान को लेकर श्लोक लिखा है। उन्होंने कहा था कि मनु-स्मृति में महिलाओं को जीवन के हर चरण में पुरुष रिश्तेदारों के अधीन रहने की बात कही गई है। इस मामले पर बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस हिंदू विरोधी नैरेटिव सेट करने की कोशिश कर रही है। बीजेपी के अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट के जरिए कहा कि कांग्रेस की आधिकारिक पोस्ट इस बात का एक और उदाहरण है कि वह हिंदू-विरोधी नैरेटिव बनाने के लिए हिंदू धर्मग्रंथों को अपनी सुविधा के मुताबिक पेश करती है। हिंदुओं को यह बताने से पहले कि हिंदू धर्म महिलाओं के बारे में क्या कहता है, राहुल गांधी को पहले पूरी मनुस्मृति पढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी बहस करना चाहते हैं, तो उन्हें धर्मग्रंथों को ईमानदारी से पढ़ना चाहिए, न कि उन्हें पॉलिटिकल नजरिए से देखना चाहिए। भारत की सभ्यता को अंग्रेजी के चश्मे से संविधान समझने का दावा नहीं किया जा सकता। हिंदू धर्म को राहुल गांधी से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। वहीं निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा- बहन प्रियंका गांधी आपसे ज्यादा समझदार हैं, अपनी गद्दी दे दीजिए। सिद्धांत और उपदेश अपने घर से नहीं, दूसरों पर लागू होता है।

दो देशों के रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए साझा हित जरूरी: जयशंकर

बांग्लादेश और पाकिस्तान को लेकर विदेश मंत्री की दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत के उसके पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों पर खुलकर बात की है। उन्होंने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद दोनों देशों के संबंधों को लेकर कहा कि किसी भी रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए साझा हित जरूरी होते हैं। वहीं, दूसरी ओर पाकिस्तान पर तंज कसते हुए जयशंकर ने कहा कि वह दुनिया का ऐसा अनोखा देश है, जो अपने पड़ोसी पर हमला करने के लिए सुनियोजित आतंकवाद का प्रयोग करता है। यह टिप्पणी भारत की विदेश नीति में पारदर्शिता और पड़ोसी देशों के प्रति उसके दृष्टिकोण को दर्शाती है।

एक फोरम में अपनी बात को रखते हुए विदेश मंत्री ने भारत की विदेश नीति पर भी चर्चा की। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को प्रत्यर्पित करने के बारे में सोच रहा है। इस सवाल का सीधा जवाब न देते हुए विदेश मंत्री ने कहा, मैं इतना कह सकता हूं कि किसी भी रिश्ते को आगे बढ़ने के लिए उसे पारस्परिक हित की कसौटी पर खरा उतरना होगा। यह हमारे लिए भी हितकारी होना चाहिए। इस बयान से स्पष्ट होता है कि भारत अपने कूटनीतिक संबंधों में यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाता है और राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देता है। विदेश मंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बहुप्रतीक्षित भारत यात्रा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक दोनों पक्ष अगले कुछ सप्ताह में इस यात्रा की संभावना तलाशने के लिए पर्दे के पीछे बातचीत जारी रखे हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि भारत ने रहमान को द्विपक्षीय यात्रा के साथ-साथ नई दिल्ली में होने वाले आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के संपर्क सत्र में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। पाकिस्तान को लेकर बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान दुनिया का सबसे अनोखा देश है। जयशंकर ने कहा, वह इसलिए अनोखा है क्योंकि आज के दौर में ऐसा कोई दूसरा देश नहीं है, जो किसी अन्य पड़ोसी देश पर हमला करने और दबाव बनाने के लिए लगातार और इतने सुनियोजित तरीके से आतंकवाद का इस्तेमाल करता हो। पाकिस्तान द्वारा हाल ही में तुर्किए और सऊदी अरब के साथ किए गए मक्का समझौते पर भी अपनी राय का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में अभी युद्ध के हालात हैं। ऐसे में इस समझौते का कहां है। वहीं, पाकिस्तान

और अमेरिका के संबंधों का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों का लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने कहा, अब काफी हद तक हमने अमेरिका के साथ अपने संबंध खुद विकसित किए हैं, लेकिन यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि पाकिस्तान सिर्फ इसलिए अनोखा नहीं है कि वह भारत का पड़ोसी है। हमारे अन्य पड़ोसी भी हैं। ऐसे दूसरे देश भी हैं, जिनके बीच मतभेद हैं।

वंदे मातरम् पर कांग्रेस केवल दो छंदों पर कायम: शशि थरूर

मायावती ने समाजवादी पार्टी पर लगाए कई आरोप, कहा-माफी मांगे अखिलेश

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश में वंदे मातरम् को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी 1937 के अधिवेशन में पारित प्रस्ताव के तहत अपने कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल दो छंदों का ही प्रयोग करती रही है। थरूर ने स्पष्ट किया कि इसे लेकर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यदि किसी राष्ट्रीय या सरकारी कार्यक्रम में पूरा वंदे मातरम् बजाया जाता है, तो सभी सम्मानपूर्वक खड़े होकर उसका सम्मान करेंगे।

थरूर ने एक बातचीत में देश में जारी इस विवाद पर कांग्रेस की स्थिति को बिल्कुल साफ बताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी की स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है। कांग्रेस पार्टी अपने कार्यक्रमों में परंपरा का ही पालन कर रही है। मेरा मानना है कि अगर कोई राष्ट्रीय या सरकारी कार्यक्रम होता है, तो हम सभी इस दौरान खड़े रहेंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पार्टी वंदे मातरम् को लेकर अपने 1937 वाले फैसले पर ही कायम है। उनके अनुसार, कांग्रेस 1937 से लेकर अब तक अपने कार्यक्रमों में राष्ट्रगान का सिर्फ एक पद और

वंदे मातरम् के दो पद ही बजाती रही है, और उनका रुख यही बना हुआ है।

भाजपा लगातार वंदे मातरम् को पूरा न गाए जाने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधती आ रही है। इस विवाद ने तब और जोर पकड़ लिया, जब स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस कार्यालय में वंदे मातरम् बजाए जाने के दौरान सोनिया गांधी और राहुल गांधी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। भाजपा ने इस वीडियो को लेकर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और पार्टी की नई कार्यकारिणी ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के लिए एक अभियान का भी ऐलान किया है।भाजपा ने वंदे मातरम् के महत्व को आगे बढ़ाने के लिए एक 10-सूत्रीय अभियान की घोषणा की है। पार्टी ने संकल्प लिया है कि वह देश की जनता के सामने जाकर वंदे मातरम् के महत्व को उजागर करेगी। वह यह बताएगी कि कैसे महात्मा गांधी ने वंदे मातरम् को साम्राज्यवाद-विरोधी नारा और राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत बताया था। इसके साथ ही, भाजपा कांग्रेस की उस मानसिकता का भी जिक्र करेगी, जो कथित तौर पर केवल सांप्रदायिक दबाव और राजनीतिक तुष्टीकरण के लिए इसे गाने से इनकार करती है।

स्कूल निरीक्षण विवाद पर आशुतोष समेत 60 पर एफआईआर

-सीजेपी नेता रेखा ने भी की मारपीट तोड़फोड़ की शिकायत, दोनों पक्षों पर क्रॉस केस

जयपुर, एजेंसी।

जयपुर ग्रामीण के रामपुरा कंवरपुरा गांव के सरकारी स्कूल के निरीक्षण को लेकर हुआ विवाद अब कानूनी मोड़ ले चुका है। स्कूल निरीक्षण में गांव वालों और कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं के बीच हुए विवाद के मामले में दोनों पक्षों की ओर से क्रॉस एफआईआर दर्ज हुई है। एक मामले में सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका समेत 50 से 60 अन्य लोगों के खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमले, गाली-गलौज और जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल के आरोप में एससी-एसटी एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं सीजेपी नेता रेखा शर्मा की शिकायत पर गांव के लोगों के खिलाफ मारपीट, पथराव और वाहनों के शीशे तोड़ने समेत कई आरोपों में एफआईआर दर्ज की गई है। बता दें रामपुरा कंवरपुरा गांव के सरकारी स्कूल के निरीक्षण के लिए 21 अगस्त को सीजेपी की टीम पहुंची थी। इसी दौरान गांव वालों के साथ विवाद और मारपीट का आरोप सामने आया। मामले में गांव के दलित युवक भगवान सहाय धानका की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर जयपुर के शिवदासपुरा थाने में सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका और 50 से 60 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया कि आशुतोष रांका और सीजेपी लोग गांव में आए और वहां हंगामा किया। आरोप है कि इस दौरान महिलाओं और पुरुषों के साथ गाली-गलौज की गई और उनके साथ मारपीट की गई। शिकायत में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया गया है। दूसरी तरफ सीजेपी नेता रेखा शर्मा की तहरीर पर भी रामपुरा कंवरपुरा गांव के लोगों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किया गया है। रेखा की शिकायत में कहा गया है कि सीजेपी की टीम स्कूल ठीक करो मुहिम के तहत रामपुरा कंवरपुरा गांव में भैंसों के तबेले में चलने वाले सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने जा रही थी। टीम के स्कूल तक पहुंचने से पहले ही कुछ अराजक तत्वों ने उन्हें घेर लिया। उनके साथ जमकर मारपीट की गई। इस दौरान पथराव करने और गाड़ियों के शीशे तोड़े गए हैंइस पूरे मामले में दोनों पक्षों की ओर से एफआईआर दर्ज होने के बाद अब कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। सीजेपी की तरफ से आरोप लगाया जा रहा है कि पूरे घटनाक्रम के वीडियो फुटेज मौजूद हैं और उनसे साफ है कि हमला गांव के लोगों ने किया था। उनके कार्यकर्ताओं की मारपीट की कोई तस्वीर सामने नहीं आई है। पार्टी का आरोप है कि उसके खिलाफ दर्ज की गई क्रॉस एफआईआर सिर्फ मामले को कमजोर करने के लिए दर्ज कराई गई है। अब पूरे मामले में पुलिस की जांच अहम होगी। दोनों पक्षों के आरोपों, मौके के वीडियो फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि रामपुरा कंवरपुरा गांव में स्कूल निरीक्षण के दौरान घटनाक्रम किस तरह हुआ और दोनों पक्षों की शिकायतों में लगाए गए आरोप कितने सही हैं।

भारत में हाफिज सईद के खिलाफ चलेगा मुकदमा, उधर पाक ने कर दिया कैद

नई दिल्ली, एजेंसी।

मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ता और वैश्विक आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद की सुरक्षा पाकिस्तान में बेहद कड़ी कर दी गई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत में उसके खिलाफ मुकदमा शुरू हो रहा है, जिसमें उसकी गैरमौजूदगी में सुनवाई चलेगी। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के खुफिया आकलन बताते हैं कि सईद पर खतरे की आशंका काफी बढ़ गई है, जिसके बाद पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) ने उसकी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है। रिपोर्टों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में सईद को निशाना बनाने की कई कोशिशें हुई हैं, जिनमें उसके कई करीबी सहयोगी भी मारे जा चुके हैं। इसी आशंका के चलते पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों को लगता है कि अब सईद खुद एक बड़ा निशाना बन सकता है।

पाकिस्तान के एक खुफिया अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि हालिया सुरक्षा समीक्षा के बाद सईद के आसपास तैनात सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई है। लश्कर-ए-तैयबा के जिन सदस्यों को उससे मिलने की इजाजत है, उन्हें भी कड़ी सुरक्षा जांच और स्क्रीनिंग से गुजरना पड़ता है। हाल के महीनों में सईद को लेकर खतरे की धारणा काफी बढ़ी है, जिसके चलते उसकी आवाजाही पर भी सख्त पाबंदी लगा दी गई है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर और सईद को निशाना बनाने की कथित कोशिशों के बाद आईएसआई ने उसे बाहर निकलने से पूरी तरह रोक दिया है।इस पाबंदी का असर लश्कर-ए-तैयबा के संगठनात्मक कार्यक्रमों पर भी पड़ा है। पहले हाफिज सईद आतंकी संगठन के प्रशिक्षण और कट्टरता फैलाने वाले शिविरों में जाकर कैडर को संबोधित करता था, लेकिन अब कथित तौर पर उसे इन जगहों पर जाने की अनुमति नहीं है। उसकी वास्तविक लोकेशन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पाकिस्तान का आधिकारिक रुख है कि सईद 2019 से लाहौर की कोट लखपत जेल में बंद है। हालांकि, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के आकलन के अनुसार, वह वास्तव में लाहौर के मोहल्ला जौहर इलाके में एक किलेबंद सेफ हाउस में रखा गया है। खतरे का स्तर बढ़ने पर उसे कथित तौर पर लाहौर के मियां मीर कैंटोनमेंट इलाके में स्थित एक और बेहद सुरक्षित ठिकाने पर ले जाया जाता है। यदि यह आकलन सही है, तो सईद की वास्तविक स्थिति को लेकर पाकिस्तान के आधिकारिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगते हैं। यह उसकी गिरफ्तारी और जेल में होने के पाकिस्तानी दावों को खोखला साबित करता है। सईद की सुरक्षा ऐसे समय में बढ़ाई गई है जब रिपोर्टों के मुताबिक लश्कर-ए-तैयबा अपने नेटवर्क को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर

रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लश्कर के प्रमुख ठिकानों में शामिल मुरीदके का प्रशिक्षण केंद्र भी निशाना बना था, जिससे संगठन को बड़ा झटका लगा था। इसके बाद पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में संगठन की बैठकों और प्रशिक्षण शिविरों की गतिविधियां फिर से शुरू होने की बात सामने आई है।

संपादकीय

एक मंत्री, एक यूनिवर्सिटी

अब केंद्रीय मंत्री देश के विश्वविद्यालयों में जाएंगे, पूरा दिन खर्च करेंगे, जेन-जी के चेहरों से संवाद करेंगे, उनकी तकलीफें, समस्याएं, खामियां जानने की कोशिश करेंगे, अपनी सरकार की नीतियां, योजनाएं भी साझा करेंगे और इस तरह एक व्यापक वोट बैंक के छिटकने की संभावनाओं को कम करेंगे। क्या ऐसे प्रयास, प्रत्येक सरकार के स्तर पर, निरंतर और सिलसिलेवार नहीं किए जाने चाहिए? यह योजना भी प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर शुरू की जा रही है। प्रधानमंत्री ने देश में जेन-जी के आक्रोश, गुस्से और आंदोलनों को भांप, समझ लिया है, लिहाजा मंत्रियों की यूनिवर्सिटीज में प्रवास की नौबत आई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री ने ऐसे भी निर्देश मंत्रियों को दिए हैं कि वे लगातार फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, एक्स, लिंक्डइन आदि सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहें और युवाओं से संवाद करते रहें। लोकतंत्र में ऐसे जनसंपर्क, जनसंवाद जरूरी भी हैं, लेकिन वे नियमित होने चाहिए। अब जब जेन-जी के साथ-साथ जेन-अल्फा (स्कूली छात्र) भी देश के विभिन्न हिस्सों में आंदोलित हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी को संवाद का यह 'अग्निपथ' सूझा है। हम इसे लोकतांत्रिक सरकार का गलत निर्णय नहीं मानते, लेकिन मंत्रियों का फोकस सोशल मीडिया और जेन-जी पर ही टिका रहेगा, तो मंत्रालयों पर ध्यान कौन देगा? मंत्रालयों के अपरिहार्य, नीतिगत निर्णयों को कौन क्रियान्वित करेगा? मंत्री की प्राथमिक और संवैधानिक जवाबदेही तो मंत्रालय के प्रति होनी चाहिए। उसी के आधार पर वह जनता के प्रति जवाबदेह साबित हो सकता है। मंत्रियों को चुनावों के मद्देनजर वोट बैंक को बचाने की कवायद में जुटना पड़ेगा, तो जाहिर है कि मंत्रालय और सरकार के बुनियादी काम प्रभावित होंगे। जेन-जी वह पीढ़ी है, जिसका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। इसकी आबादी करीब 37-40 करोड़ मानी जाती है। यह देश में कोई भी परिवर्तन करने में सक्षम है, क्योंकि इनमें से अधिकांश 2029 के लोकसभा चुनाव में मतदाता होंगे। बहरहाल देश में फिलहाल 57 केंद्रीय विश्वविद्यालय और 522 राज्य विश्वविद्यालय हैं।

चिंतन-मनन

सत्ता और नैतिकता

सत्ता के संचालन में शक्ति की अपेक्षा रहती है या नहीं, यह एक बड़ा प्रश्न है। शक्ति दो प्रकार की होती है- नैतिक शक्ति और उपकरण शक्ति। नैतिक शक्ति के बिना तो व्यक्ति सही ढंग से प्रशासन कर ही नहीं सकता। उपकरण शक्ति का जहां तक प्रश्न है, एक सीमा तक वह भी जरूरी है। किंतु वह शक्ति का एकमात्र तत्व नहीं है। उससे भी अधिक आवश्यक है- बुद्धि, विवेक, साहस और निर्णायक क्षमता। जिस शासक में ये चारो तत्व नहीं होते, वह सही रूप से सत्ता को संचालित नहीं कर सकता। एक शासक के पास बहुत बड़ी सेना हो, शस्त्रों का विशद भंडार हो; पर सही समझ न हो और समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता न हो तो शक्ति भी अहितकर बन जाती है। सामान्यतः राष्ट्रीय एवं सामाजिक सत्ता के संचालन में शक्ति तत्व अपेक्षित रहता है, पर वही सब कुछ नहीं है, परम तत्व नहीं है। अधिकारी व्यक्ति की चरित्रनिष्ठा, जागरूकता और जनता की सहानुभूति का योग होने से ही सत्ता के गलियारों को पार किया जा सकता है। किसी एक तत्व की कमी होते ही प्रशासक विवादों के घेरे में खड़ा हो जाता है। उस समय वह सत्ता का संचालन करता है या सत्ता के द्वारा संचालित होता है, कुछ कहना कठिन है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम और रावण का प्रसंग प्रसिद्ध है। रावण की सत्ता से संसार कांपता था, इधर राम वनवासी थे। उनके पास न वैसी सेना थी, न वैसा शास्त्रबल था। फिर भी उन्होंने रावण की सत्ता को चुनौती दे दी। रावण धराशायी हो गया, क्योंकि उसका चरित्रबल क्षीण हो गया, सूझबूझ समाप्त हो गई, सही निर्णय लेने की क्षमता चुक गई और उसने जनता की सहानुभूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

चीनी की मिठास पर महंगाई की कड़वाहट, आखिर क्यों बढ़ रहे हैं इसके दाम?

सुनील कुमार महला

देश में चीनी की कीमतों में इन दिनों काफी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है और चीनी के प्रति किलो के दाम 60 रुपए प्रति किलो या इससे ज्यादा तक पहुंच गये हैं। इस क्रम में यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि चीनी की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी चिंता का विषय जरूर है, लेकिन फिलहाल स्थिति बहुत गंभीर नहीं है।इस संबंध में यहां पर पाठकों को बताता चलूं कि त्योहारी सीजन को देखते हुए सरकार ने 31 अक्तूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इससे बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। अच्छी बात यह भी है कि सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए भंडारण सीमा भी सख्त की है।

आखिर क्यों बढ़ रही चीनी की कीमतें:- यहां पर यह सवाल जरूर उठता है कि जब देश में चीनी की कमी नहीं है, तो कीमतें इतनी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। इसके पीछे गन्ने के उत्पादन में कमी, गन्ने का अधिक हिस्सा इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होना या गन्ने की खेती का पर्याप्त विस्तार न होना जैसे कारण हो सकते हैं। वास्तव में देश में चीनी उत्पादन में कमी,खराब मौसम और कम बारिश,त्योहारी सीजन में मांग बढ़ना,भंडार में कमी और जमाखोरी की आशंका,वैश्विक बाजार में आपूर्ति का दबाव तथा गन्ने से इथेनॉल बनाने की नीति को भी चीनी कीमतों की चर्चा में प्रमुखता मिली है, जिसके कारण चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा कीमत वृद्धि का मुख्य कारण इथेनॉल के लिए चीनी का डायवर्जन नहीं है।

गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल भी एक कारण ? पाठक जानते होंगे कि हमारे देश में गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल मुख्यतः पेट्रोल में मिलाकर किया जा रहा है। इसे इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कहा जाता है। हमारे देश में स्थिति की बात करें तो ई-20 पेट्रोल यानी 20% इथेनॉल तथा 80% पेट्रोल अब भारत में पेट्रोल का प्रमुख मानक मिश्रण है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 में औसत इथेनॉल मिश्रण लगभग 20% तक पहुंच गया है।अप्रैल 2026 से बीएस-iv वाहनों के लिए ई-20 उत्सर्जन मानकों को पूरा करना अनिवार्य किया गया है। वास्तव में, इथेनॉल मिश्रण का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, विदेशी मुद्रा बचाना, किसानों के लिए अतिरिक्त बाजार उपलब्ध कराना और कार्बन उत्सर्जन घटाना है। सरकार के अनुसार ईबीपी कार्यक्रम से अब तक लगभग ?1.97 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बचत हुई है। संक्षेप में कहें तो हमारे देश भारत पेट्रोल वाहनों को धीरे-धीरे इथेनॉल आधारित ईंधन की ओर ले जा रहा है। आज की स्थिति में ई-20 सामान्य पेट्रोल व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसे में कृषि और पेट्रोलियम मंत्रालय को मिलकर इन पहलुओं की समीक्षा जरूर करनी चाहिए। इथेनॉल की बढ़ती मांग को देखते हुए गन्ने का उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी है, ताकि चीनी और इथेनॉल दोनों की जरूरत पूरी हो सके और किसानों को भी बेहतर लाभ मिले।

हमारे देश में चीनी उत्पादनः- बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत दुनिया के प्रमुख चीनी उत्पादक देशों में है। 2025-26 चीनी सत्र में भारत का चीनी उत्पादन लगभग 306 लाख टन (3.06 करोड़ टन) रहने का अनुमान है, जो शुरूआती अनुमान से करीब 11 प्रतिशत कम है। उत्पादन में कमी का असर घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर पड़ा है। इस बीच, इथेनॉल उत्पादन के लिए भी गन्ने से प्राप्त चीनी का एक हिस्सा इस्तेमाल किया जाता है और हाल फिलहाल कमी को देखते हुए सरकार ने घरेलू आपूर्ति बनाए रखने के लिए, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि, शुल्क-मुक्त चीनी आयात की अनुमति भी दी है।

उक्त संदर्भ में यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि देश में गेहूं, चावल, सब्जी, फल और दूध जैसे कई खाद्य पदार्थों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। लेकिन दाल और खाद्य तेल के मामले में अभी भी आयात पर निर्भरता है। दालों की बढ़ती मांग और खाद्य तेल की लगभग आधी जरूरत ही देश में पूरी होना चिंता का विषय है। इसलिए सरकार को केवल मौजूदा महंगाई नियंत्रित करने पर ही नहीं, बल्कि इन आवश्यक खाद्य पदार्थों का उत्पादन बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए।

अंत में कुल मिलाकर यही कहूंगा कि चीनी का मौजूदा संकट बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन सरकार को समय रहते सतर्क रहना होगा। जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी नजर के साथ अफवाहों को रोकना भी जरूरी है, क्योंकि कई बार अफवाहों के कारण भी बाजार में अनावश्यक महंगाई बढ़ जाती है। साथ ही, लोगों को भी जरूरत के मुताबिक ही खरीदारी और खपत करनी चाहिए। इस संबंध में चीनी के विकल्पों को भी तलाश किया जाना चाहिए। वास्तव में, गुड़,शहद,खजूर या खजूर का पेस्ट (मिठाइयों, शेक, बेकिंग और लड्डू आदि में उपयोगी),नारियल/पाम शुगर तथा फलों की प्राकृतिक मिठास (केला, खजूर, सेब आदि का इस्तेमाल) इसके विकल्प हो सकते हैं।

(लेखक फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार हैं)

यौन शोषण और ब्लेकमेलिंग का अड्डा बन रहे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

मनोज कुमार अग्रवाल

सोशल मीडिया का अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग कई किशोरियों और युवतियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और वास्तविक जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है, हालांकि इसे पूरी पीढ़ी की बबार्दी कहना अतिशयोक्ति हो सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली कृत्रिम चमक और तुलना की संस्कृति गंभीर मानसिक दबाव पैदा कर रही है।सोशल मीडिया पर अजनबी लोगों से दोस्ती करने के बाद कई बार लड़कियां ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग और साइबर अपराध का शिकार हो जाती हैं। लोग झूठी पहचान बनाकर भरोसा जीतते हैं और बाद में निजी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हैं। इससे मानसिक तनाव और सामाजिक नुकसान होता है।धोखेबाज असली नाम या तस्वीर छिपाकर गलत पहचान बनाते हैं। निजी तस्वीरें या वीडियो हासिल करके पैसों की मांग करना। महंगे उपहार या विदेश भेजने के नाम पर पैसे ऐंठना। प्यार और शादी का झूठा वादा करके भरोसा तोड़ना।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर चंद युवक-युवतियों द्वारा आपस में दोस्ती करने का रुझान बढ़ गया है जिसे ऑनलाइन फ्रैंडशिप कहा जाता है। इनके जरिए युवक दोस्ती के नाम पर अपनी ऑनलाइन फ्रैंड्स को धोखा देने, उनका यौन शोषण करने और ब्लैकमेल करके पैसे वसूलने में भी संकोच नहीं करते जिससे उनकी चाल में फंसने वाली युवतियों की जिंदगियां तबाह हो रही हैं। हाल ही में सुर्खियों में रही कुछ वारदातों का जायजा करिए।

6 जनवरी को पालघर (महाराष्ट्र) में एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को इंस्टाग्राम पर प्रेम जाल में फंसा कर अगवा करने, महीनों तक उसका यौन शोषण करने तथा घटना का वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध केस दर्ज किया।12 जनवरी को पाली (राजस्थान) की एक नाबालिगा से सोशल
मीडिया के जरिए दोस्ती करने के बाद एक युवक उसे दिल्ली ले आया और किराए के मकान में रखकर उसका कई बार शोषण किया। जब लड़की ने उससे शादी करने के लिए कहा तो उसे पीटा गया। पुलिस ने नाबालिगा की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया।

5 मई को सीकर (राजस्थान) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर शादी का झूठा वादा कर उससे बलात्कार करने और उसे जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।20 जून को बेंगलुरु (कर्नाटक) में पुलिस ने एक व्यक्ति को एक महिला से ऑनलाइन दोस्ती करके उसे किराए पर कमरा दिलाने के बहाने एक लॉज में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया।23 जून को बुराड़ी (दिल्ली) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड के विरुद्ध रील बनाने के बहाने उसे एक होटल में बुला कर उससे बलात्कार करने और घटना का वीडियो बना कर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई । 16 जुलाई को कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर उसे डरा-धमका कर उससे बलात्कार करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

5 अगस्त को बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) में एक युवती ने राजस्थान के एक युवक के विरुद्ध उसके साथ इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती करने के बाद उसे नशीली पेस्ट्री खिलाकर बेहोश करके उसके साथ बलात्कार करने और घटना का अश्लील वीडियो बना कर ब्लैकमेल करके लाखों रुपए वसूलने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

6 अगस्त को नागपुर (महाराष्ट्र) में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद एक नाबालिगा को बंधक बना कर अपने पास रखने और उसका यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया।

6 अगस्त को ही ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में एक युवती ने इंस्टाग्राम पर बने दोस्त के विरुद्ध उसे नौकरी दिलाने के बहाने मुरैना के एक होटल में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई।

12 अगस्त को सूरत (गुजरात) में पुलिस ने एक युवक को एक महिला से सोशल मीडिया पर दोस्ती करने के बाद डरा-धमका कर उससे कई बार बलात्कार करने और उसका वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर 36 तोले सोना व नकदी वसूल करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

और अब 16 अगस्त को नई दिल्ली में एक मेकअप आर्टिस्ट महिला को उसके ऑनलाइन फ्रेंड द्वारा काम दिलाने और शादी का झांसा देकर नशीला पदार्थ पिलाकर बलात्कार करने का मामला सामने आया है। उक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि जवानी के जोश में सोशल मीडिया के जरिए युवकों से दोस्ती करना किस कदर खतरनाक हो सकता है। अतः महिलाओं को सावधानी बरतने की जरूरत है।सोशल मीडिया के जरिए ऑनलाइन रिश्तों में फंसकर कई युवतियां भावनात्मक, आर्थिक और शारीरिक शोषण का शिकार हो रही हैं। फर्जी पहचान, धोखेबाजी और ब्लैकमेलिंग के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिससे कई बार पीड़िताओं की निजी जिंदगी और मानसिक स्थिति पूरी तरह तबाह हो जाती है।सोशल मीडिया पर किसी भी अजनबी की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें।व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखें: अपना फोन नंबर, पता या वित्तीय विवरण ऑनलाइन साझा न करें।अगर बात करें भी, तो सामने वाले की सच्चाई की पूरी जांच करें।तुरंत शिकायत करें: किसी भी तरह की धमकी मिलने पर तुरंत परिवार को बताएं और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जेन अल्फा:स्कूल सुधार से लोकतांत्रिक चेतना तक

भारत की सरकारी शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का कोई एक अकेला कारण नहीं है, बल्कि इसके पीछे अपर्याप्त बजट आवंटन, बुनियादी ढांचे की कमी और जवाबदेही का अभाव है।स्कूलों में नियमित शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं और जो शिक्षक हैं, उनका शिक्षण स्तर व प्रशिक्षण आधुनिक समय के अनुकूल नहीं है।शिक्षा प्रणाली कौशल विकास या व्यावहारिक ज्ञान के बजाय केवल परीक्षा में अंक लाने और रटने पर जोर देती है। सरकारी शिक्षा की बदहाली के खिलाफ सड़कों पर उतरती नई पीढ़ी सिर्फ सुविधाएं नहीं, जवाबदेही मांग रही है। भारत में एक नई पीढ़ी धीरे-धीरे अपने सामाजिक और राजनीतिक तेवर का परिचय दे रही है। यह जेन अल्फा जिसने मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो और सोशल मीडिया की दुनिया में आंखें खोली है। अभी यह पीढ़ी मतदान की उम्र में नहीं पहुंची है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा सीखने के लिए उसे अठारह वर्ष का इंतजार नहीं है। जुलाई और अगस्त 2026 में उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान तक सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों के आंदोलनों की जो श्रृंखला दिखाई दी है, वह इसी बदलाव का संकेत है। इन आंदोलनों की मांगें किसी राजनीतिक दल के घोषणापत्र से नहीं निकली है। वे बेहद बुनियादी हैं, शिक्षक चाहिए, पंखे चाहिए, साफ पानी चाहिए, शौचालय चाहिए, अच्छा भोजन चाहिए, सड़क चाहिए और सुरक्षित स्कूल चाहिए। लेकिन इन छोटी दिखाई देने वाली मांगों के भीतर भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक बहुत बड़ी विफलता छिपी हुई है। लखनऊ के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय की छात्राओं का हालिया आंदोलन इस बदलते माहौल का सबसे ताजा उदाहरण है। करीब 250 छात्राएं भारी बारिश के बीच स्कूल से बाहर निकलीं और सड़क पर उतरकर यातायात रोक दिया। उनकी शिकायतों में शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं का अभाव प्रमुख था। रिपोर्टों के अनुसार विज्ञान विषयों में शिक्षकों की कमी ने उनकी पढ़ाई को प्रभावित किया है। यह घटना अकेली नहीं है। कुछ दिन पहले इसी क्षेत्र में स्कूली बच्चों के विरोध और सड़क जाम की घटनाएं सामने आ चुकी थी। यानी बच्चों ने यह संदेश दे दिया है कि स्कूल के भीतर शिकायत की सुनवाई नहीं होती तो वे स्कूल के बाहर अपनी आवाज सुनाएंगे। यह आवाज अब एक जिले या एक राज्य तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के किशनपुर स्थित सर्वोदय इंटर कॉलेज में लगभग 1500 विद्यार्थियों ने कई घंटे धरना दिया। उनकी मांगों में साफ पीने का पानी, काम करने वाले पंखे, स्वच्छ शौचालय, फर्नीचर, पुस्तकालय और अन्य बुनियादी सुविधाएं शामिल थी। प्रशासन को छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करनी पड़ी और कई मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन देना पड़ा। हमीरपुर में बच्चे स्कूल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क की मांग को लेकर तिरंगा लेकर जिला मुख्यालय तक पहुंचे। कीचड़ और दलदल से गुजरकर स्कूल पहुंचना उनकी रोजमर्रा की समस्या थी। बिहार के गया जिले में बच्चों ने खराब मध्याह्न भोजन, जिसमें कीड़े मिलने की शिकायत भी सामने आई, खराब पानी, गंदे शौचालय, पंखों और फर्नीचर की कमी के खिलाफ लगभग चार किलोमीटर मार्च किया।मध्य प्रदेश में भी यह लहर दिखाई दे रही है। छिंदवाड़ा के तामिया स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने मेस के भोजन की गुणवत्ता को लेकर बारिश में सड़क पर बैठकर विरोध किया। उनकी शिकायतों में भोजन में कीड़े मिलने और स्वास्थ्य तथा खेल सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दे शामिल थे।

उज्जैन में कई सरकारी स्कूलों की छात्राओं ने स्कूलों को शहर से दूर स्थानांतरित करने की योजना के खिलाफ कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। छात्राओं का तर्क था कि दूर जाने से यात्रा का समय और खर्च बढ़ेगा तथा गरीब परिवारों की लड़कियों की पढ़ाई छूट सकती है। बच्चीयों के दबाव में कलेक्टर ने स्कूल स्थानांतरित करने के निर्णय को रोक दिया है। सिरोंज में छात्राओं के विरोध के बाद रियायती बस किराया 10 रुपये से बढ़ाकर 25 रुपये करने का फैसला वापस लेना पड़ा। महाराष्ट्र में भी शिक्षक अनुपस्थिति, शौचालय और पानी जैसे सवालों पर विद्यार्थियों के विरोध सामने आए हैं। यानी अलग-अलग राज्यों में बच्चे अलग-अलग स्कूलों में हैं, लेकिन उनकी शिकायतों की भाषा लगभग एक जैसी है। असल में ये आंदोलन सरकारी शिक्षा व्यवस्था के उस मॉडल पर सवाल उठा रहा है, जिसमें स्कूल का भवन तो बना दिया जाता है, लेकिन शिक्षक नहीं होते, शौचालय बना दिया जाता है लेकिन पानी नहीं होता, छात्रावास बना दिया जाता है लेकिन भोजन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सुविधाओं की निगरानी नहीं होती, सड़क का बजट स्वीकृत हो जाता है लेकिन बच्चे बारिश में कीचड़ से गुजरते रहते हैं। उनके लिए शिक्षा केवल किताब और परीक्षा नहीं है। शिक्षा का अर्थ है, कक्षा में शिक्षक, पीने का पानी, शौचालय, भोजन, बिजली, सुरक्षा, परिवहन और सम्मान। यही कारण है कि इन आंदोलनों में सबसे मुखर आवाज लड़कियों की दिखाई दे रही है। वे शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षा और आवागमन के सवाल को भी सीधे जोड़ रही हैं। जेन जी से जेन अल्फा तक आंदोलन की तकनीक बदल रही है। अब इसका असर स्कूली बच्चों के आंदोलनों में दिखाई दे रहा है। बच्चा दूसरे जिले में हुए आंदोलन को देखता है और समझता है, 'अगर वहां के बच्चों ने अपनी मांग मनवाई है, तो हम भी अपनी आवाज उठा सकते हैं।' यही वह मनोवैज्ञानिक बदलाव है जो आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। जेन अल्फा की सबसे बड़ी ताकत उसकी डिजिटल पहुंच है। ट्विटर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे लोकप्रिय एप्लिकेशन 21वीं सदी के युवा कार्यकर्ताओं के लिए नवीनतम उपकरण बन गए हैं। पिछली पीढ़ी में किसी सरकारी स्कूल की खराब स्थिति की शिकायत प्रधानाचार्य, शिक्षक, पंचायत या स्थानीय जनप्रतिनिधि तक सीमित रह जाती थी। शिकायत के बाद फाइल चलती थी और कई बार मामला वहीं समाप्त हो जाता था। आज बच्चे स्कूल के टूटे पंखे, गंदे शौचालय, खराब भोजन, कीचड़ भरे रास्ते या पानी की समस्या का वीडियो बना सकते हैं। फिर वही वीडियो कुछ घंटों में हजारों लोगों तक पहुंच सकता है। इससे स्थानीय समस्या सार्वजनिक जवाबदेही का विषय बन जाती है। यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है क्योंकि सोशल मीडिया ने बच्चों को सिर्फ दर्शक नहीं रखा है, उसने उन्हें दस्तावेज बनाने वाला नागरिक बना दिया है। अभी इसे देशव्यापी, एकीकृत और औपचारिक जेन अल्फा को राष्ट्रीय आंदोलन कहना उचित नहीं होगा। यह साफ तौर पर कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं है और इस आंदोलन का कोई 'नेता' नहीं है। अगर इस आंदोलन का नेतृत्व भी 'नेताओं' द्वारा किया जा रहा होता, तो यह उस मुकाम पर नहीं जा पाता, जहां तक पहुंच गया है। लेकिन इतिहास में बड़े आंदोलन हमेशा किसी एक दिन में राष्ट्रीय संगठन बनकर पैदा नहीं होते। वे पहले छोटे-छोटे स्थानीय असंतोषों से जन्म लेते हैं।आज लखनऊ में शिक्षक की मांग है।स्कूली बच्चों की इन सभी मांगों को एक सूत्र में बांध दें तो एक बड़ा सवाल सामने आता है कि 'सरकार हमारे लिए कैसी शिक्षा व्यवस्था बना रही है?' यही सवाल इस स्थानीय लहर को राष्ट्रीय मुद्दे में बदल सकता है।आज जेन अल्फा के अधिकांश बच्चे वोट नहीं देंगे। लेकिन यही बच्चे अगले कुछ वर्षों में पहली बार मतदाता बनने वाले हैं। इसलिए राजनीतिक दलों को इस पीढ़ी को केवल 'बच्चे' समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। यह वह पीढ़ी है जो अपने माता-पिता से अधिक डिजिटल जानकारी रखती है। यह वीडियो देखती है, तुलना करती है, सवाल पूछती है और प्रशासनिक कार्रवाई को सार्वजनिक रूप से दर्ज करती है।आज जो बच्चा स्कूल के पंखे के लिए सड़क पर बैठ रहा है। कल वही युवा पूछेगा कि मेरे गांव में अस्पताल क्यों नहीं है? मेरे गांव में पानी क्यों नहीं है? मेरे क्षेत्र में सड़क का काम वर्षों से अधूरा क्यों है? सरकार के बजट का पैसा आखिर गया कहां? यानी आज की स्कूल स्तरीय मांगें कल की लोकतांत्रिक और राजनीतिक चेतना का आधार बन सकती है। राजनीतिक दल यदि इस पीढ़ी की आवाज को केवल चुनावी नारे के रूप में इस्तेमाल करेंगे तो शायद यह पीढ़ी उसे भी स्वीकार नहीं करेगी। इसका सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इस आंदोलन का नेतृत्व हमेशा पारंपरिक राजनीतिक नेता नहीं करेंगे। बच्चे स्वयं मुद्दा उठाएंगे, वीडियो बनाएंगे, समूह बनाएंगे, प्रशासन को ज्ञापन देंगे और जरूरत पड़ने पर सड़क पर बैठेंगे। इन घटनाओं को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर पुलिस भेज देना सबसे आसान रास्ता है। लेकिन इससे समस्या खत्म नहीं होगी। सरकारों को यह समझना होगा कि सड़क पर बैठा बच्चा वास्तव में सरकारी स्कूल की रिपोर्ट कार्ड लेकर बैठा है। हर आंदोलन को दबाने के बजाय प्रत्येक जिले में स्कूलों की सार्वजनिक सोशल ऑडिट व्यवस्था विकसित की जा सकती है। स्कूलों में शिक्षक पदों की स्थिति, भोजन की गुणवत्ता, पानी, शौचालय, बिजली, छात्रावास और परिवहन जैसी सुविधाओं का वास्तविक समय में सार्वजनिक डैशबोर्ड बनाया जा सकता है। छात्रों की शिकायतों के लिए स्वतंत्र और समयबद्ध शिकायत प्रणाली होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बच्चों की आवाज को 'अनुशासनहीनता' मानने के बजाय लोकतांत्रिक भागीदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। यह डिजिटल लामबंदी और सोशल मीडिया के जरिए पारंपरिक राजनीतिक दलों के नियंत्रण से मुक्त होकर स्वतः स्फूर्त रूप से उभर रहे हैं, जो सत्ता और शासन के खिलाफ नए राजनीतिक समीकरण खड़े कर रहे हैं। यह आंदोलन अभी छोटा है, बिखरा हुआ है और स्थानीय है, लेकिन इसके सवाल राष्ट्रीय हैं। राष्ट्रीय सवाल जब एक पीढ़ी की सामूहिक चेतना बन जाते हैं, तो राजनीति को अंततः बदलना ही पड़ता है।

अमरोहा
सोमवार 24 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

कीचड़ में डूबा स्कूल का रास्ता, 150 मीटर कीचड़ से होकर गुजरते हैं नौनिहाल

गजरौला के आलमपुर में प्राथमिक विद्यालय तक जाने वाला रास्ता बदहाल, ग्रामीणों में आक्रोश

गजरौला/ अमरोहा (सब का सपना):- विकास खंड गजरौला के ग्राम आलमपुर में प्राथमिक विद्यालय तक जाने वाला महज 150 मीटर का रास्ता स्कूली बच्चों और ग्रामीणों के लिए मुसीबत बना हुआ है। जनपद के विकास खंड गजरौला के ग्राम आलमपुर में संजू के घर से प्राथमिक विद्यालय तक जाने वाले इस रास्ते की हालत पिछले कई वर्षों से खराब है। हल्की सी बारिश होते ही इस रास्ते पर 2 से 3 फीट तक पानी और कीचड़ भर जाता है। इसी गंदे पानी से होकर छोटे-छोटे बच्चों को स्कूल जाना पड़ता है। आए दिन बच्चे फिसलकर गिर जाते हैं, जिससे उनके कपड़े और किताबें खराब हो जाती हैं। स्थानीय निवासी अंकुश चौहान ने बताया कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर भी बच्चों को हाथ में तिरंगा लेकर घुटने तक भरे कीचड़ और पानी से होकर विद्यालय जाना पड़ा। इससे बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा दोनों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, रास्ता बनवाने के लिए सांसद, जिला पंचायत सदस्य, ब्लॉक प्रमुख गजरौला, ग्राम सचिव, ग्राम प्रधान और जिलाधिकारी अमरोहा से कई बार शिकायत की जा चुकी है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर भी शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों ने बताया कि ब्लॉक स्तर के अधिकारी और सचिव मौके पर आकर निरीक्षण कर जाते हैं, लेकिन काम नहीं होता। वहीं ग्राम प्रधान द्वारा केवल आश्वासन दिया जाता रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि संजू के घर से प्राथमिक विद्यालय तक करीब 150 मीटर रास्ते पर जल्द ही सीसी रोड या खड़ंजा और नाली का निर्माण कराया जाए,
ताकि जलभराव की समस्या खत्म हो और बच्चे सुरक्षित तरीके से स्कूल पहुंच सकें। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल रास्ते की समस्या नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान से जुड़ा मामला है।

जोया पुलिस ने दिखायी ईमानदारी, कांवड़ में खोया मोबाइल लौटाया

जोया/अमरोहा (सब का सपना):- कांवड़ यात्रा के दौरान एक श्रद्धालु का खोया हुआ मोबाइल फोन जोया पुलिस ने ईमानदारी का परिचय देते हुए सकुशल वापस लौटा दिया। मोबाइल वापस पाकर श्रद्धालु ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। यह घटना शनिवार को जोया कस्बे के आनंद विहार कॉलोनी के सामने हुई। मुरादाबाद के लालबाग निवासी कांवड़ श्रद्धालु संदीप गुप्ता कांवड़ यात्रा पर थे, तभी उनका एंड्रॉयड मोबाइल फोन सड़क पर गिर गया। उन्हें इसका पता भी नहीं चला और वे आगे बढ़ गए। इसी दौरान वहां ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल राहुल कुमार (नंबर 1006, पासपोर्ट सेल अमरोहा) की नजर सड़क पर गिरे मोबाइल पर पड़ी। कांस्टेबल राहुल कुमार ने तुरंत मोबाइल को बरामद किया और आसपास के श्रद्धालुओं से पूछताछ कर उसके मालिक की तलाश शुरू कर दी। कुछ देर बाद कांस्टेबल ने श्रद्धालु संदीप गुप्ता को ढूंढकर उनका मोबाइल सुरक्षित रूप से उन्हें सौंप दिया। अपना कीमती मोबाइल वापस पाकर संदीप गुप्ता के चेहरे पर खुशी आ गई। उन्होंने कांस्टेबल राहुल कुमार और अमरोहा पुलिस की ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की जमकर सराहना की। श्रद्धालु संदीप गुप्ता ने कहा कि पुलिस के कारण ही कांवड़ यात्रा सकुशल संपन्न हो रही है। मेरा मोबाइल लौटाकर पुलिस ने दिल जीत लिया। पुलिस के इस सराहनीय कार्य की स्थानीय लोगों ने भी जमकर प्रशंसा की। लोगों का कहना है कि ऐसे पुलिसकर्मियों के कारण ही पुलिस की छवि जनता में बेहतर बनती है।

पालिका अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्डों का किया वितरण

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंडी धनौरा में प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्डों का वितरण कराया गया। जिनको मंडी धनौरा के नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने वितरण किया। केशलैस कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन धनौरा ब्लॉक संसाधन केंद्र पर कराया गया। जिसमें पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल ने वहां उपस्थित सभी रसोइयों को 5 लाख तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा के कार्ड वितरण किये साथ ही सभी रसोइयों के मानदेय को बढ़ाकर 3000 करने की घोषणा की गई। बता दें कि रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका चेयरमैन धनौरा, प्रवीण अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए। चेयरमैन अग्रवाल ने सरकार द्वारा रसोइयों के हित में उठाए गए कदमों की जानकारी दी।अपने संबोधन में चेयरमैन ने बताया कि पहले रसोइयों को मात्र 500 का पारिश्रमिक मिलता था, जिसे अब बढ़ाकर 3000 कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 5 लाख की कैशलेस चिकित्सा योजना से रसोइयों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली है।खंड शिक्षा अधिकारी (BEO) धनौरा, प्रकाश चंद ने बताया कि बढ़ा हुआ मानदेय सितंबर माह से सीधे रसोइयों के बैंक खातों में आना शुरू हो जाएगा। उन्होंने विद्यालयों में बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य के लिए रसोइयों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।समारोह में गजरौला ब्लॉक के अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह ने भी रसोइयों को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन एआरपी रोहताश सिंह ने किया। इस अवसर पर सत्यप्रकाश गौतम, सुनील सिंह, नीरज निर्मल, आनंद निर्मल, शशि दिवाकर, जितेश कुमार, प्रत्यक्ष शर्मा, शुभ अग्रवाल, वंदना राजावत, मनोज शर्मा, कंचन अग्रवाल, योगेश कुमार सहित कई शिक्षक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

तीन साल की मासूम अमायरा की मौत बनी पहेली, पोस्टमार्टम में कारण स्पष्ट नहीं

विसरा जांच को भेजा, SOG गहन जांच में जुटी

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- तीन वर्षीय मासूम अमायरा की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी स्पष्ट नहीं हो सका है। चिकित्सकों ने बच्ची का विसरा सुरक्षित कर जांच के लिए भेज दिया है। वहीं फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से नमूने लेकर आगरा लैब भेजे हैं। करीब एक सप्ताह में रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह साफ हो पाएगी। डिडौली कोतवाली क्षेत्र के ढकिया चमन गांव निवासी सैलून संचालक मो. रजा की 3 वर्षीय बेटी अमायरा सोमवार सुबह अपनी दादी फातिमा के साथ उनकी बहन के घर गई थी। वहां से वह अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने काफी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पांचवें दिन शुक्रवार सुबह गांव के तालाब में उसका शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची डिडौली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। शुक्रवार शाम को ही परिजनों ने अमायरा के शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। एसपी अमरोहा लखन सिंह यादव ने बताया कि प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। विसरा सुरक्षित किया गया है जिसका लैब में परीक्षण कराया जाएगा। डॉक्टरों ने भी अंतिम राय लैब रिपोर्ट आने के बाद देने की बात कही है। पुलिस टीम ने गांव पहुंचकर बच्ची के लापता होने वाले स्थान से लेकर तालाब तक कई बिंदुओं पर गहन जांच की है। इस मामले में SOG टीम ने भी जांच तेज कर दी है। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया, आसपास छानबीन की और लोगों से जानकारी जुटाई। पुलिस का प्रयास है कि मामले की तह तक पहुंचकर वास्तविक सच्चाई सामने लाई जा सके। उधर ग्रामीणों ने पुलिस से निष्पक्ष और गहन जांच कर जल्द सच्चाई सामने लाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इस घटना के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

बछरायूं क्षेत्र में बहु की पिटाई से घायल सास की इलाज के दौरान मौत,पुलिस जांच में जुटी

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के बछरायूं थाना क्षेत्र में एक बहू ने अपनी सास की इस कदर पिटाई की कि उसने 9 दिन बाद इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस मामले में पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अग्रिम कार्यवाही में जुट गई है। बता दें कि पूरा मामला बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव ढयौटी का है जहां बहू द्वारा की गई मारपीट में गंभीर रूप से घायल सास की नौ दिन बाद मौत हो गई। 58 वर्षीय वृद्धा ने शनिवार देर रात अस्पताल से रेफर किए जाने के बाद रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मामले में प्राप्त जानकारी अनुसार गांव ढयौटी निवासी प्रेम सैनी मजदूरी और खेतीबाड़ी करते हैं। उनके परिवार में पत्नी माया देवी (58) और दो बेटे सोनू व पीतम हैं। बड़ा बेटा सोनू शादीशुदा है और गांव में रहता है, जबकि छोटा बेटा पीतम अविवाहित है और दिल्ली में काम करता है। उनकी दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है।परिजनों के अनुसार, सोनू की पत्नी ज्योति का अपनी सास माया देवी से अक्सर विवाद होता था। 14 अगस्त को भी किसी बात पर सास और बहू के बीच झगड़ा हुआ। आरोप है कि इस दौरान बहू ने अपनी सास के साथ मारपीट की, जिससे माया देवी को गंभीर चोटें आईं।घटना के बाद परिजन घायल माया देवी को पहले शेरपुर स्थित एक हकीम के पास ले गए। हालत में सुधार न होने पर उन्हें अमरोहा के सिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां नौ दिनों तक उनका इलाज चला। शनिवार देर रात तबीयत बिगड़ने पर चिकित्सकों ने उन्हें उच्च केंद्र रेफर कर दिया। अस्पताल से बाहर ले जाते समय रात करीब तीन बजे रास्ते में ही माया देवी ने अंतिम सांस ली।ग्राम प्रधान ऊधम गिल ने बताया कि सास और बहू के बीच लंबे समय से अनबन चल रही थी। विवाद सुलझाने के लिए गांव में कई बार पंचायतें हुईं। हाल ही में बछरायूं थाने में भी दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का प्रयास किया गया था, लेकिन पारिवारिक कलह शांत नहीं हुई।मामले की जानकारी देते हुए बछरायूं थाना प्रभारी अतवीर चौहान ने बताया कि घटना की सूचना परिजनों ने डायल 112 पर दी थी,
जिसके बाद पुलिस टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अमरोहा जिला अस्पताल भेज दिया है। ग्रामीणों द्वारा पारिवारिक विवाद में सास-बहू के बीच मारपीट की बात सामने आई है।

सतेड़ा में माँ चामुंडा मंदिर पर भंडारे का आयोजन, ब्लॉक प्रमुख ने लिया आशीर्वाद

राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने ग्रामवासियों से की आत्मीय भेंट

हसनपुर/ अमरोहा (सब का सपना):- हसनपुर विधानसभा-42 क्षेत्र के ग्राम सतेड़ा में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माँ चामुंडा मंदिर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में गंगेश्वरी के ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने पहुँचकर माँ चामुंडा का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख ने समस्त ग्रामवासियों से आत्मीय भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में सहभागिता हमारी संस्कृति, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करती है। ग्रामवासियों का स्नेह एवं सम्मान सदैव मेरे लिए प्रेरणास्त्रोत है। जनसेवा, भाईचारा और क्षेत्र के विकास के लिए मैं सदैव समर्पित रहूँगा। इस अवसर पर भूर सिंह नेताजी, हरिओम सिंह खड़कवंशी, पूरन सिंह खड़कवंशी, हरि सिंह खड़कवंशी, पूर्व सभापति प्रकाश सिंह, बालक राम खड़कवंशी, सतबीर राणा, अजय राणा, दयानंद राणा, शीशपाल राणा, कन्हैया राणा, खजान सिंह खड़कवंशी, मेवाराम खड़कवंशी, चंद्रपाल खड़कवंशी, राधे राणा, खूबचंद राणा सहित समस्त सम्मानित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बछरायूं क्षेत्र में तेंदुए ने घर में घुसकर जर्मन शेफर्ड को बनाया निवाला, क्षेत्र में दहशत का माहौल

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के बछरायूं थाना क्षेत्र में तेंदुए ने एक किसान के घर में घुसकर उसके पालतू जर्मन शेफर्ड कुत्ते को निवाला बना लिया। गनिमत रही कि किसान के अन्य पशु कमरे के अंदर बंद थे जिससे तेंदुआ अन्य पशुओं पर हमला नहीं कर पाया। क्षेत्र में तेंदुए की लगातार बढ़ रही गतिविधियों से एवं इस घटना से क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है उधर घटना के बाद वन विभाग भी सक्रिय हो गया है। बता दें कि पूरा मामला मंडी धनौरा के बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव चोखट का है जहां तेंदुए की लगातार बढ़ रही गतिविधियों से ग्रामीणों और किसानों में दहशत का माहौल है। शनिवार कि देर रात करीब तीन बजे बछरायूं रोड पर स्थित किसान जरीफ अहमद के घर में एक तेंदुआ घुस आया। तेंदुए ने परिसर में बंधे पालतू जर्मन शेफर्ड कुत्ते पर हमला कर उसे मार डाला। गनीमत रही कि किसान के अन्य मवेशी अंदर कमरे में बंद थे, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।यह क्षेत्र में तेंदुए के हमले की पहली घटना नहीं है। इससे पहले शहजादपुर, पेली तगा, कपसुआ और रसूलपुर माफी जैसे गांवों में भी तेंदुए ने किसानों और उनके पशुओं पर हमला किया है। आबादी से दूर खेतों पर घर बनाकर रह रहे किसानों में भय का माहौल है, जिसके कारण वे सुबह या देर शाम खेतों पर जाने से बच रहे हैं।क्षेत्र में लगातार बढ़ते खतरे को देखते हुए भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के नेताओं और स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग से कार्रवाई की मांग की है। भाकियू जिला प्रवक्ता फुलवास सिंह, जयपाल सिंह, शनि, पिंटू, प्रदीप चौधरी पटवारी, शहंशाह मलिक, शमीम, गजबी, चीकू, महताब, कामदेव, इंतजार, इरफान, फुरकान, गुड्डू, ध्रूव, गुरचरण, गुड्डन, रवि, मोनू, संजय, प्रदीप सिंह, ऋषभ चौधरी, राजेंद्र सिंह, जयदेव सिंह, मंगू सिंह, विकुल सिंह, मंजीत और गुरेंदर सहित दर्जनों किसानों ने तुरंत पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ने की मांग की है।मामले की गंभीरता को देखते हुए मंडी धनौरा के वन रेंजर अवनीश कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम को मौके पर जांच के लिए रवाना कर दिया गया है। उन्होंने ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए जल्द आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बुढ़नपुर का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश की मा. राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जनपद प्रभारी मंत्री गुलाब देवी ने आज जनपद भ्रमण के दौरान कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, बुढ़नपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए छात्राओं से संवाद किया तथा उनकी दिनचर्या, पढ़ाई और भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली। राज्यमंत्री ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक छात्रा को अभी से अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसके अनुरूप निरंतर मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लक्ष्य बार-बार नहीं बदलना चाहिए। यदि मन में यह दृढ़ संकल्प हो कि मुझे डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या किसी अन्य क्षेत्र में जाना है और उसके लिए निरंतर प्रयास किया जाए, तो सफलता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के माध्यम से बेटियों की सुरक्षा और शिक्षा को विशेष प्राथमिकता दी गई है। प्रदेश सरकार द्वारा छात्राओं की शिक्षा, भोजन, पुस्तकें, कपड़े, आवास एवं सुरक्षा जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि बेटियां बिना किसी चिंता के अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकें।
राज्यमंत्री ने कहा कि आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का सदुपयोग करते हुए छात्राएं अपने लक्ष्य को प्राप्त करें और अपने परिवार, जनपद एवं प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं, छात्राओं के खान-पान, दिनचर्या एवं शिक्षा व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि छात्राओं के चेहरे पर आत्मविश्वास और प्रसन्नता विद्यालय में बेहतर वातावरण एवं व्यवस्थाओं को दर्शाती है। इस दौरान राज्यमंत्री ने परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को ट्रॉफी एवं शिक्षण सामग्री देकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यालय की वार्डन, प्रधानाचार्य, शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने में सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है।
निरीक्षण के दौरान जिला अध्यक्ष भाजपा उदयगिरी गोस्वामी, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र,अध्यक्ष नगर पालिका धनौरा प्रवीण अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष भाजपा हिमांशु त्यागी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

कांवड़ियों की भारी आवाजाही के चलते आज सभी विद्यालयों में अवकाश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- श्रावण मास के चतुर्थ सोमवार के अवसर पर कांवड़ियों द्वारा विभिन्न शिव मंदिरों में जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके चलते जनपद के मुख्य मार्गों एवं नगर क्षेत्रों में कांवड़ियों की भारी आवाजाही रहने की संभावना है। जगह-जगह जाम की स्थिति उत्पन्न होने के साथ ही मार्गों पर दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिलाधिकारी सम्भल के निर्देश पर जनपद के सभी माध्यमिक, परिषदीय, अशासकीय

सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त एवं मदरसा विद्यालयों में आज अवकाश घोषित किया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सम्भल अलका शर्मा द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह अवकाश नर्सरी से कक्षा 12 तक संचालित सभी विद्यालयों पर लागू होगा। इसमें सीबीएसई, आईसीएसई सहित अन्य बोर्ड से संचालित विद्यालय भी शामिल हैं। प्रशासन का मानना है कि कांवड़ियों की अधिक संख्या में आवाजाही के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

विद्यालयों में अवकाश रहने से विद्यार्थियों और अभिभावकों की आवाजाही कम होगी तथा संभावित जाम एवं दुर्घटनाओं से भी बचाव किया जा सकेगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जनपद के सभी संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

हाईवे पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, दंपती समेत तीन घायल

ईदगाह के पास हुआ हादसा, एक के पैर में गंभीर चोट, जिला अस्पताल किया गया रेफर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर ईदगाह के पास रविवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में तीन लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर घायलों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार थाना बहजोई क्षेत्र के ग्राम नरौदा निवासी अवधेश पुत्र विनोद, उम्र करीब 26 वर्ष, अपनी पत्नी अनीता पत्नी अवधेश, उम्र करीब 24 वर्ष के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपनी रिश्तेदारी में बहजोई आए थे। इसी दौरान थाना बहजोई क्षेत्र के ग्राम दूधापुर निवासी नरेश पुत्र भोजराज, उम्र करीब 28 वर्ष, अपनी मोटरसाइकिल से गांव कनुआ नगला की ओर जा रहे थे। बताया गया कि दोपहर 1:20 बजे जैसे ही दोनों मोटरसाइकिलें आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर ईदगाह के पास पहुंचीं, तभी अचानक दोनों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों मोटरसाइकिलें सड़क पर गिर गईं और तीनों सवार घायल हो गए। हादसे में अवधेश के पैर में गंभीर चोट आई, जबकि उसकी पत्नी अनीता को मामूली चोटें लगीं। वहीं दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार नरेश भी घायल हो गया। दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। लोगों ने घायलों को संभाला और घटना की जानकारी उनके परिजनों को दी। इसके बाद अवधेश के रिश्तेदार निजी वाहन से तीनों घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल बहजोई लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार और जांच के बाद नरेश की हालत को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया। वहीं अनीता और अवधेश का उपचार किया गया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। घटना को लेकर कुछ समय के लिए हाईवे पर लोगों की भीड़ के चलते आवागमन प्रभावित रहा। पुलिस द्वारा मामले की जानकारी जुटाई जा रही है।

एसपी ने कानून-व्यवस्था और त्योहारों की सुरक्षा को लेकर की समीक्षा

बहजोई(संभल(सब का सपना):- शनिवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ गोष्ठी आयोजित कर कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और आगामी त्योहारों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। गोष्ठी में सावन माह के साथ आगामी बारावफात, कृष्ण जन्माष्टमी आदि त्योहारों को लेकर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था मजबूत

रखने, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए गए। एसपी ने अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, लंबित विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने तथा वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी ने मित्रवत पुलिसिंग पर जोर देते हुए आमजन की शिकायतों का त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ निस्तारण करने तथा जनता के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने को कहा। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर कानून-व्यवस्था मजबूत रखने और जनपद में शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए।

कांवड़ मार्गों पर एसपी का दौरा, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

नरौरा बॉर्डर, राजघाट और खीरनी टोल प्लाजा पहुंचे एसपी, पुलिस बल को दिए सतर्कता के निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- श्रावण मास के अंतिम सोमवार को लेकर पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने रविवार को जनपद के प्रमुख कांवड़ मार्गों और संवेदनशील स्थानों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं की समीक्षा की। पुलिस अधीक्षक ने नरौरा बॉर्डर पर पहुंचकर चेकिंग, आवागमन एवं यातायात व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, बैरियर एवं चेकिंग व्यवस्था को प्रभावी रखने तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। पुलिसकर्मियों को वाहन चालकों एवं आमजन के साथ शालीन व्यवहार करने के लिए भी निर्देशित किया गया। इसके बाद एसपी ने थाना गुन्नौर क्षेत्र की गंगा बैराज पुलिस चौकी का आकस्मिक निरीक्षण किया। चौकी परिसर, कार्यालय, बैरक, साफ-सफाई एवं प्रकाश, पेयजल और साफ-सफाई पुलिसकर्मियों की उपस्थिति का जायजा लिया। फरियादियों की शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा अपराध नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राजघाट पर भीड़ नियंत्रण की तैयारियां परखी राजघाट, बबराला पहुंचकर एसपी ने श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों की संभावित भीड़ को देखते हुए घाट की सुरक्षा, पार्किंग, यातायात नियंत्रण, बैरिकेडिंग, व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा थाना बहजोई एवं सम्भल क्षेत्र के कांवड़ मार्ग तथा खीरनी टोल प्लाजा, गंगा एक्सप्रेसवे पर डायवर्जन व्यवस्था का निरीक्षण किया। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को यातायात सुचारु रखने और कांवड़ यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य केन्द्रों पर लगा मुख्यमंत्री आरोग्य मेला, मरीजों को मिली मुफ्त चिकित्सा सुविधा

सम्भल(सब का सपना):- रविवार को जनपद के 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 9 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 267वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में 37 चिकित्सकों एवं 140 पैरामेडिकल स्टाफ ने पहुंचकर कुल 3160 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया। इनमें 1211 पुरुष, 1187 महिलाएं और 762 बच्चे शामिल रहे। आरोग्य मेले में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 72 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाए गए। वहीं विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित मरीजों की

जांच एवं उपचार किया गया। इनमें बुखार के 321, चर्म रोग के 603, दमा के 405, मधुमेह के 134, नेत्र रोग के 27 तथा उच्च रक्तचाप के 128 मरीज शामिल रहे। बुखार से पीड़ित मरीजों में 51 की मलेरिया और 15 की डेंगू जांच कराई गई। सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट निगेटिव आई। इसके अलावा सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन संबंधी परामर्श एवं सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अलग काउंटर लगाए गए। जिलाधिकारी के निर्देश पर आशाओं द्वारा सोर्स रिडक्शन एवं संचारी रोगों से बचाव को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। वहीं एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 128 लोगों को तंबाकू छोड़ने की सलाह दी गई। आरोग्य मेले में पहुंचे 55 मरीजों को टेली मानस की कंसल्टेंसी सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने विभिन्न आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके साथ ही अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों ने भी स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित मेलों का निरीक्षण किया।

कोतवाली बहजोई में ईद मिलादुन्नबी को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित

भाईचारे और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील, नई परंपरा डालने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

बहजोई/संभल(सब का सपना):- आगामी जश्ने ईद मिलादुन्नबी के त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर रविवार दोपहर कोतवाली बहजोई परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुस्लिम समुदाय के साथ हिंदू समाज के सम्मानित लोगों, ग्राम प्रधानों एवं संभ्रांत नागरिकों ने भाग लिया। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी से आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सभी लोग अपने

पारंपरिक त्योहार निर्धारित नियमों के तहत शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। किसी भी नई परंपरा की शुरूआत नहीं की जाएगी। नई परंपरा डालने अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जुलूस एवं अन्य कार्यक्रमों के दौरान यातायात व्यवस्था और सार्वजनिक शांति का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। डीजे निर्धारित एवं कम आवाज में बजाने तथा ध्वनि से आमजन को परेशानी न होने देने को कहा गया। अधिकारियों ने अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। बैठक में बहजोई इंस्पेक्टर बलराम सिंह सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि त्योहार को आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाना सभी की जिम्मेदारी है।

नरौली में अखंड भारत संकल्प दिवस पर निकली भगवा बाइक रैली

नरौली/संभल(सब का सपना):- अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को अखंड भारत संकल्प दिवस के अवसर पर भगवा बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली दोपहर एक बजे जाहरवीर मंदिर से शुरू हुई, जिसमें कार्यकताओं ने बाइक और डीजे के साथ हिस्सा लिया। रैली जाहरवीर मंदिर से मकूपुरा, शिव मंदिर, बेहटा साहू तिराहा, धीमर वाली पुलिया, सब्जी

मंडी, मोहल्ला काजीटोला, मनसा देवी मंदिर मार्ग, मुलाना मोहल्ला होते हुए मंगलवाला से जाहरवीर मंदिर पहुंची, जहां रैली का समापन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रांत उपाध्यक्ष अशोक गौतम, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अशोक त्रिवेदी एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष अजीत सैनी रहे। आयोजन की जिम्मेदारी नगर अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद विक्की कश्यप ने संभाली, जबकि रैली का संचालन नगर अध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल अजय दिवाकर ने किया।

किसानों और मजदूरों की समस्याओं को लेकर भाकियू ने किया जनजागरण

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ की ओर से ग्राम गोजनी में जनजागरण अभियान के तहत बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का नेतृत्व तहसील संरक्षक सेवक सैनी ने किया। अध्यक्षता इस्माइल खां तथा संचालन सुफियान पाशा ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सम्भल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि किसानों और मजदूरों की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बढ़ती महंगाई के कारण किसान और मजदूर आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। उन्होंने किसानों को फसलों का उचित मूल्य, समय पर गन्ना भुगतान, पर्याप्त बिजली, खाद-बीज और सिंचाई जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई। युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने कहा कि संगठन गांव-गांव पहुंचकर किसानों और मजदूरों की समस्याओं को चिन्हित करेगा और संबंधित अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाकर समाधान कराने

का प्रयास करेगा। बैठक में बिजली कटौती, स्मार्ट मीटर, गन्ना भुगतान, खाद-बीज की उपलब्धता, आवारा पशुओं से फसलों को नुकसान, सरकारी प्रमाण पत्रों में देरी तथा वारिसान दर्ज कराने जैसी समस्याएं प्रमुखता से उठाई गईं।

इसके अलावा गांव में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने, दवा का छिड़काव कराने, गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर गांवों के नाम के बोर्ड लगाने तथा संभल रेल विस्तार से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन की दिशा में आगे बढ़ेगा। बैठक के दौरान संगठन की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए ताराचंद सैनी को तहसील सचिव सम्भल, राजीव सैनी को तहसील प्रभारी, संजय सैनी को ग्राम अध्यक्ष, सतवीर सैनी को ग्राम प्रभारी, राकेश सैनी को ग्राम महासचिव तथा आकाश सैनी को ग्राम सचिव नियुक्त किया गया। इस दौरान जिला संगठन मंत्री चौ. ऋषिपाल सिंह, जिला प्रचार मंत्री सन्तवीर सिंह, जिला महासचिव इस्माइल खां, जिला मंत्री सुफियान पाशा, ब्लॉक महामंत्री मनीराम गुर्जर, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष मो. हसन सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पशुपालन विभाग के निदेशक ने कैथल गौशाला का किया निरीक्षण

गोवंश के लिए चारा, पशु आहार और छाया की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- अपर मुख्य सचिव, पशुधन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ के निदेशों के क्रम में पशुपालन विभाग के निदेशक प्रशासन एवं विकास डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने शनिवार को जनपद सम्भल की कैथल गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला में संरक्षित गोवंश के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान गौशाला में हरा चारा, नमक, पशु आहार एवं चूने के पानी की उपलब्धता संतोषजनक मिली। संबंधित अभिलेख भी पूर्ण पाए गए। गोवंश के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा भंडारित मिला। गौशाला में वर्मी कम्पोस्ट तैयार किए जाने का कार्य भी चल रहा था। इसके बाद निदेशक ने विकासखंड बहजोई के ग्राम लहरावन में एफएमडी टीकाकरण कार्य का स्थलीय सत्यापन किया। उन्होंने टीकाकरण की स्थिति एवं संबंधित अभिलेखों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निदेशक की अध्यक्षता में जिले के सभी उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारियों एवं पशु चिकित्सा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गौशालाओं में उपयोग होने वाले भूसे के दाम नियंत्रित रखने तथा हरा चारा एवं पशु आहार की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने वीबी- ग्रामजी के माध्यम से गौशालाओं में बरसात से बचाव के लिए टीन शेड, पटंजा, सोलर पंप एवं मिट्टी भरान आदि अनुमन्य कार्य कराने को कहा। साथ ही संरक्षित गोवंश को समय से हरा चारा और पशु आहार उपलब्ध कराने तथा पर्याप्त छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अधिकारियों से गौशालाओं की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने और गोवंश के संरक्षण एवं देखभाल में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- रविवार दोपहर करीब 12 बजे मंडी समिति के पास तेज रफ्तार रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। हादसे में बाइक चला रहा उसका पुत्र बाल-बाल बच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्राम राजा का ताजपुर निवासी गुड़िया (45) पत्नी अमरपाल सिंह रविवार दोपहर अपने पुत्र कुणाल के साथ बाइक से रिश्तेदारी में आयोजित नामकरण संस्कार में शामिल होने जा रही थी। बताया गया कि जैसे ही दोनों नूरपुर में मंडी समिति के पास पहुंचे, तभी तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गुड़िया बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरी और बस के पहिए के नीचे आ गई। हादसे में वह गंभीर रूप से कुचल गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उसका पुत्र कुणाल हादसे में बाल-बाल बच गया। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और टक्कर मारने वाली रोडवेज बस को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मृतका के परिजनों को हादसे की सूचना देने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी। थानाध्यक्ष प्रवेज कुमार ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

छुरे से हमला कर तीन लोग गंभीर घायल, आरोपी फरार

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- शनिवार देर शाम मोहल्ला मीठा शहीद में एक व्यक्ति ने कथित रूप से छुरे से हमला कर तीन लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरतपुर में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया। मोहल्ला मीठा शहीद निवासी अमजद, उमेर, सनाउल्लाह और शादान ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि वे अपने घर से नमाज पढ़कर बाहर निकले थे। इसी दौरान मोहल्ले में मौजूद जावेद ने कथित तौर पर उनके ऊपर छुरी से हमला कर दिया। हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही घायलों के परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। चिकित्सकों ने घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला चिकित्सालय बिजनौर रेफर कर दिया। परिजनों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को तहरीर दी है। घटना को लेकर मोहल्ले में चर्चा का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद घटना में शामिल आरोपी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सरकार में प्रजापति समाज की हो रही है अनदेखी:- आर.के. आर्य

सुधांशु प्रजापति के परिवार को जल्द न्याय नहीं मिला तो होगा बड़ा आंदोलन

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- दक्ष प्रजापति कुम्हार महासभा, धामपुर (बिजनौर) के बैनर तले रविवार को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी धामपुर को सौंपा गया। ज्ञापन में अमरोहा जनपद के ग्राम गुलड़िया, थाना नौगांव सादात निवासी युवा सुधांशु प्रजापति की हत्या के मामले में सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार को सुरक्षा, आर्थिक सहायता तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग उठाई गई। महासभा के संस्थापक आर.के. आर्य एडवोकेट ने कहा कि प्रदेश में प्रजापति समाज की लगातार अनदेखी की जा रही है। समाज के लोगों पर अत्याचार, उत्पीड़न और हत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे समाज में असंतोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए तो समाज को बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। महासभा के अध्यक्ष क्षेत्रपाल प्रजापति ने कहा कि 9 अगस्त 2026 को सुधांशु प्रजापति की खुलेआम हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि घटना में शामिल कुछ लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद छोड़ दिया, जिससे स्थानीय पुलिस की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में मांग की गई कि नामजद सभी अभियुक्तों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए, प्रकरण की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराकर दोषियों को कठोरतम दंड दिलाया जाए, पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता प्रदान की जाए तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराया जाए। साथ ही भय और असुरक्षा के माहौल में रह रहे परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई जाए। वक्ताओं ने कहा कि यह कोई एकलौती घटना नहीं है, बल्कि प्रदेश में प्रजापति समाज के लोगों के साथ आए दिन उत्पीड़न, अत्याचार, झूठे मुकदमों में फंसाने और हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। समाज के लोगों में यह भावना बन रही है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर पूरे प्रदेश के प्रजापति समाज को न्याय दिलाने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में दक्ष प्रजापति कुम्हार महासभा के संस्थापक आर.के. आर्य एडवोकेट, अध्यक्ष क्षेत्रपाल प्रजापति (पिंटू), कोषाध्यक्ष बृजमोहन प्रजापति, महासचिव अनुराग प्रजापति, सचिव डॉ. सतपाल प्रजापति, उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार, प्रचार मंत्री लोकेंद्र प्रजापति, संगठन मंत्री आनंद सिंह, संदीप प्रजापति, शिवम प्रजापति, सतीश प्रजापति, शक्ति सिंह, रामचंद्र सिंह, कलवा सिंह, यशपाल सिंह, भीम सिंह, विनोद कुमार, पतराम सिंह, डॉ. रणवीर सिंह खेड़वाल, दिनेश कुमार प्रजापति, डॉ. बाबूराम, मनदीप, दयाराम, सुनील कुमार शर्मा, राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बृजपाल प्रजापति, राष्ट्रीय सचिव डॉ. ए.के. दक्ष, जिला अध्यक्ष पंकज कुमार दक्ष, युवा जिला अध्यक्ष नीरज प्रजापति, सुरेन्द्र सभासद, चंद्रपाल सिंह प्रजापति, डॉ. खूब सिंह प्रजापति सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को जागरूक करने का आह्वान

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना लाभार्थी विभाग की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को ओम फार्म हाउस में आयोजित की गई। बैठक में विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन राकेश प्रजापति ने जिला चेयरमैन एवं पूर्व विधायक डॉ. इंद्रदेव सिंह की संस्तुति पर बिजनौर जनपद की सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों के नवनियुक्त चेयरमैनों की घोषणा की। राष्ट्रीय चेयरमैन राकेश प्रजापति ने नवनियुक्त विधानसभा चेयरमैनों एवं कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर पात्र और वंचित परिवारों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की जानकारी देने तथा उन्हें योजना का लाभ दिलाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि योजना के पात्र प्रत्येक लाभार्थी के हितों की रक्षा की जाएगी और उन्हें लाभ दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने विधानसभा क्षेत्रवार चेयरमैनों की घोषणा करते हुए बिजनौर से जोगेंद्र वालिया, चांदपुर से संजीव बंसल, नजीबाबाद से चौधरी लवकुमार सिंह, नगीना से अब्दुल कय्यूम राइन, धामपुर से सोमपाल सैनी, बढ़ापुर-अफजलगढ़ से डॉ. हिमांशु दक्ष, नहटौर से विनिल त्यागी तथा नूरपुर से अनीता वर्मा को चेयरमैन नियुक्त किया। राकेश प्रजापति ने बताया कि शीघ्र ही मंडल स्तर पर भी संगठन का गठन किया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं से पात्र परिवारों तक पहुंचकर उन्हें योजना की जानकारी देने की अपील की, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे। जिला चेयरमैन एवं पूर्व विधायक डॉ. इंद्रदेव सिंह ने प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा लागू की गई उज्ज्वला योजना गरीब परिवारों के उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पात्र लोगों को योजना की जानकारी देकर उसका लाभ दिलाना कार्यकताओं का कर्तव्य है। बैठक में ओमपाल सैनी, जगदीश सक्सेना, रंजीत कंसल, श्याम सिंह चौहान, कमलेश चौधरी, उमेश सिंह, जयप्रकाश सैनी, गोपाल सिंह, नरेंद्र सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

नगीना में झोलाछाप चिकित्सकों की भरमार, विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की मांग

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर क्षेत्र में कथित रूप से बिना पर्याप्त चिकित्सकीय योग्यता के चिकित्सा कार्य कर रहे झोलाछाप चिकित्सकों की बढ़ती संख्या को लेकर लोगों में चिंता है। नगर के संभ्रांत नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग से ऐसे लोगों के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि आमजन, विशेषकर बच्चों के स्वास्थ्य के साथ होने वाले खिलवाड़ पर रोक लगाई जा सके। लोगों का आरोप है कि नगर के लुहारी सराय, लाल सराय, पहाड़ी दरवाजा बाजार, सरायमीर, शाहजहीर, अंबेडकर नगर, कलालान, काजी सराय, बिश्नोई सराय और रेती सहित कई मोहल्लों में बिना पर्याप्त चिकित्सकीय योग्यता वाले कथित चिकित्सकों के क्लीनिक संचालित हो रहे हैं। आरोप है कि इनमें से कुछ लोगों को दवाओं के नाम और चिकित्सकीय जानकारी तक का पर्याप्त ज्ञान नहीं है, इसके बावजूद वे मरीजों को विभिन्न दवाएं और इंजेक्शन दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गलत दवा या बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का इस्तेमाल मरीजों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। विशेषकर बच्चों को दवाएं देने में अतिरिक्त सावधानी की जरूरत होती है। गलत उपचार से मरीजों की हालत बिगड़ने पर उन्हें बड़े अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है, जहां इलाज में हजारों से लेकर लाखों रुपये तक खर्च हो सकते हैं। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि कई कथित झोलाछाप चिकित्सकों के क्लीनिकों में साफ-सफाई और संक्रमण से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। ऐसे स्थानों पर मरीजों का उपचार किए जाने से संक्रमण फैलने का खतरा भी बना रहता है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग की नियमित निगरानी और प्रभावी चेकिंग के अभाव में ऐसे क्लीनिकों की संख्या बढ़ रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। नागरिकों ने मांग की है कि स्वास्थ्य विभाग सभी निजी क्लीनिकों, नर्सिंग होम और कथित जच्चा-बच्चा केंद्रों की जांच कर उनकी पंजीकरण एवं चिकित्सकीय योग्यता की स्थिति स्पष्ट करे। नगरवासियों ने जिलाधिकारी जसजीत कौर से मांग की है कि नगीना नगर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर बिना पंजीकरण या आवश्यक चिकित्सकीय योग्यता के चिकित्सा कार्य करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

महाराजा दक्ष जयंती को सफल बनाने के लिए प्रजापति समाज का तूफानी जनसंपर्क अभियान

चांदपुर में 30 अगस्त को होगा भव्य आयोजन, बाइक रैली के बाद होगी जनसभा

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- महाराजा दक्ष जयंती समारोह को सफल एवं भव्य बनाने के लिए प्रजापति समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने क्षेत्र के गांवों में तूफानी जनसंपर्क अभियान चलाया। समाज के लोगों ने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। प्रजापति समाज की ओर से आगामी 30 अगस्त को चांदपुर में महाराजा दक्ष जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत भव्य बाइक रैली से होगी, जिसके बाद जनसभा का आयोजन किया जाएगा। जनसभा को मुख्य अतिथि राज्य मंत्री डॉ. धर्मवीर सिंह प्रजापति संबोधित करेंगे। जयंती समारोह में अधिक से अधिक समाज के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हीमपुर, राजा का ताजपुर, हरौली, बुढ़नपुर, राशिदपुर, चहला, नसीरपुर सहित एक दर्जन से अधिक गांवों में जनसंपर्क किया गया। इस दौरान लोगों को कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भारी संख्या में चांदपुर पहुंचने का आह्वान किया गया। जनसंपर्क अभियान में राम अवतार प्रजापति, डॉ. सुशील प्रजापति, धर्मेंद्र प्रजापति, जगदीश प्रसाद प्रजापति एवं राजपाल सिंह प्रजापति सहित समाज के अनेक लोग मौजूद रहे। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि महाराजा दक्ष जयंती केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की एकता, गौरव और सामाजिक जागरूकता का प्रतीक है।

उन्होंने सभी लोगों से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की अपील की। कार्यक्रम को लेकर प्रजापति समाज के लोगों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है और आयोजकों को उम्मीद है कि 30 अगस्त को चांदपुर में बड़ी संख्या में समाज के लोग एकत्र होकर महाराजा दक्ष जयंती को भव्य रूप प्रदान करेंगे।

नए कप्तान के सामने थानों को दलालों से मुक्त कराने की चुनौती

तेजतर्रार IPS के.के. बिश्नोई से जनता को बड़ी उम्मीदें

नगीना/ बिजनौर (सब का सपना):- नवागत पुलिस अधीक्षक के.के. बिश्नोई किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उनकी कार्यशैली ही उनका परिचय है। जनपद संभल में अपनी बेमिसाल छाप छोड़ने के बाद अब विदुर की धरती बिजनौर की कमान उन्हें सौंपी गई है। संभल से आए तेजतर्रार और लोकप्रिय IPS अधिकारी के.के. बिश्नोई की कार्यप्रणाली को प्रदेश भर के लोग जानते हैं। उनके नाम से अपराधी और असामाजिक तत्वों में खौफ माना जाता है। बिजनौर वासियों को उनसे बड़ी उम्मीदें हैं। अब उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती जनपद के थानों और पुलिस चौकियों में व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी और दलाल-मुक्त बनाना होगा। आम जन का मानना है कि थानों के आसपास सक्रिय रहने वाले बिचौलियों के कारण पीड़ितों को अपनी बात रखने में परेशानी होती है। नए कप्तान से लोगों को उम्मीद है कि वे थानों में आम आदमी की सीधी सुनवाई सुनिश्चित कराएंगे। सूत्रों की मानें तो जिले में रेत खनन, भूमाफिया और अन्य अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना भी नई चुनौती होगी। तेजतर्रार छवि के लिए पहचाने जाने वाले 2018 बैच के IPS के.के. बिश्नोई की दस्तक से ही अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों में हड़कंप की चर्चा है। अब देखना होगा कि अपनी ईमानदारी और सख्त कार्यशैली के लिए पहचाने जाने वाले एसपी के.के. बिश्नोई बिजनौर में भी अपना जलवा कायम रख पाते हैं या नहीं।

बिजनौर में एसपी रहे आशुतोष पांडे, दिवाकर चौधरी, नीरज कुमार जादौन जैसे अधिकारियों को आज भी जनता याद करती है। उनके कार्यकाल में अपराधियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ितों को त्वरित न्याय के लिए उनकी सराहना होती थी। अब जनता को चौथी पारी के रूप में के.के. बिश्नोई से भी ऐसी ही उम्मीदें हैं।

सावन के अंतिम सोमवार आज कल्कि विष्णु मंदिर में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

सम्भल(सब का सपना):- श्रावण मास के अंतिम सोमवार को लेकर ऐतिहासिक नगरी सम्भल स्थित प्राचीन कल्कि विष्णु मंदिर में जलाभिषेक की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सावन के समापन पर मंदिर में स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ दूर-दराज से आने वाले कांवड़ियों के पहुंचने की संभावना है। गंगा घाटों से पवित्र जल लेकर कांवड़िए मंदिर की ओर पहुंच रहे हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय बना हुआ है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर भगवान विष्णु के कल्कि अवतार से जुड़ा महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। मंदिर के इतिहास को लेकर मान्यता है कि ब्रह्मा जी ने एक रात में इसकी स्थापना की थी। करीब 300 वर्ष पूर्व महारानी अहिल्याबाई होलकर द्वारा मंदिर का जीर्णोद्धार कराए जाने की भी मान्यता है। मंदिर के मुख्य द्वार पर इंदौर स्टेट का राजचिह्न आज भी इसकी ऐतिहासिक विरासत की पहचान माना जाता है।

द्रविड़ शैली की वास्तुकला आकर्षण का केंद्र

उत्तर भारत में स्थित होने के बावजूद मंदिर की वास्तुकला दक्षिण भारतीय द्रविड़ शैली की बताई जाती है। मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन कृष्ण कूप भी श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। सावन के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक और आरती का आयोजन किया जा रहा है।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने मंदिर मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए भारी वाहनों का रूट डायवर्जन किया है। मंदिर के आसपास क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन बनाया गया है। पुलिस बल की तैनाती के साथ नगर पालिका की ओर से पेयजल, स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्राथमिक चिकित्सा और मंदिर से कुछ दूरी पर अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

प्राचीन मंदिर के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व को देखते हुए इसे धार्मिक पर्यटन सर्किट से जोड़ने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। सावन के अंतिम सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा और सुविधा संबंधी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है।

रसोइयों के मानदेय में बढ़ोतरी, चार बड़ी घोषणाओं की दी जानकारी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में रसोइया सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 250 रसोइयों को मुख्यमंत्री के लखनऊ में आयोजित समारोह का सजीव प्रसारण दिखाया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने रसोइयों के लिए की गई शासन की घोषणाओं की जानकारी दी। बताया गया कि रसोइयों का मानदेय 2000 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। इसके अलावा दो लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा और किचेन ड्रेस के लिए मिलने वाली राशि 500 से बढ़ाकर 1000 रुपये प्रतिवर्ष की गई है। कार्यक्रम में रसोइयों से विद्यालयों में निर्धारित मेन्यू के अनुसार स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार करने की अपील की गई। किचेन की साफ-सफाई और भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों की नौ रसोइयों को प्रतीकात्मक रूप से कैशलेस चिकित्सा कार्ड एवं बढ़े हुए मानदेय का चेक प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनामिका यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू, नगर पालिका चेयरमैन राजेश शंकर राजू सहित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

खाद की ओवररेटिंग और पुलिस कार्यवाही को लेकर किसान यूनियन ने जताई नाराजगी

फतेहपुर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक रविवार को नहर कॉलोनी में जिलाध्यक्ष नवल सिंह पटेल के नेतृत्व में आयोजित हुई। बैठक में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह का कार्यकताओं ने स्वागत किया। बैठक में किसानों ने निजी दुकानदारों द्वारा खाद की कथित ओवररेटिंग का मुद्दा प्रमुखता से उठाया पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि किसानों को निर्धारित दर से अधिक कीमत पर खाद बेची जा रही है, जिससे किसानों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसान नेताओं ने प्रशासन से मामले की जांच कर निर्धारित दर पर खाद उपलब्ध कराने की मांग की इस दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर भी किसान नेताओं ने नाराजगी जताई प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि बीते 16 अगस्त की रात किसान यूनियन से जुड़े पदाधिकारियों के यहां पुलिस द्वारा जांच और छापेमारी की गई। उन्होंने कहा कि यदि आय या किसी अन्य मामले की जांच करनी थी तो संबंधित लोगों को दिन में बुलाकर पूछताछ की जा सकती थी उन्होंने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसान किसी अपराध में शामिल नहीं हैं। राजेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार पुलिस के माध्यम से किसानों को डराने का प्रयास कर रही है, ताकि वे अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन न कर सकें। उन्होंने कहा कि किसान डरने वाले नहीं हैं और किसानों की समस्याओं को लेकर संगठन लगातार आवाज उठाता रहेगा। किसान नेता ने भाजपा सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को किसानों की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए उन्होंने खाद की कथित ओवररेटिंग पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की। बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए कई पदाधिकारियों का मनोनयन भी किया गया। मलवां से मोहित सिंह चंदेल को ब्लॉक अध्यक्ष तथा असोथर से दीपू मिश्रा को ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा अन्य पदाधिकारियों का भी मनोनयन कर उन्हें संगठन की जिम्मेदारियां दी गईं इस मौके पर किसान यूनियन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रसोइयों का हुआ सम्मान, कैशलेस चिकित्सा कार्ड पाकर खिल उठे चेहरे

फतेहपुर (सब का सपना):- जहानाबाद कस्बे वृंदावन गेस्ट हाउस में पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों के सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लाइव प्रसारण को सुना गया। इसके उपरांत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक राजेंद्र सिंह पटेल द्वारा पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया तथा उन्हें कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए।विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि सरकार हर जरूरत मंद लोगों का ख्याल रखते हुए लाभकारी योजना चला रही है,जिसके अंतर्गत रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड प्रदान किए गए है अब हमारी इन माताओं बहनों के साथ ही इनके परिजनों का भी पांच लाख तक का निशुल्क इलाज होगा। कार्यक्रम के आयोजक खंड शिक्षा अधिकारी देवमई/अमौली प्रवीण कुमार शुक्ला ने रसोइयों के योगदान की सराहना करते हुए उनके द्वारा विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया।कार्यक्रम का संचालन उमेश त्रिवेदी ने किया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी देवमई राहुल कुमार,खंड विकास अधिकारी अमौली सुरेश शिवहरे,एस आर राधेश्याम दीक्षित,ब्लॉक प्रमुख देवमई प्रतिनिधि अतर सिंह,सरल मोहन उत्तम,संदीप उत्तम,अनुराग तिवारी, सोमनाथ द्विवेदी,शैलेन्द्र त्रिवेदी, विश्वजीत,राजेश उत्तम,मो एहसान सहित शिक्षक गण, रसोइया माताएं एवं बहने एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सुरजावली में भाजपा की सेक्टर गोष्ठी, 2027 के चुनाव की रणनीति पर मंथन

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- भाजपा शिवाली मंडल के ग्राम सुरजावली में ग्राम प्रधान गजराज सिंह लोधी के आवास पर सेक्टर संयोजक गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें वर्ष 2027 के चुनावों को लेकर संगठन की जमीनी रणनीति और बूथ प्रबंधन पर मंथन किया गया। प्रधान गजराज सिंह लोधी ने कार्यकताओं से बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यकताओं ने अपने-अपने बूथों पर पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

गजरौला पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत 01 युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा, अवैध असलहा बरामद

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला थाना पुलिस में एक आरोपी युवक को आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार किया है और न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। पुलिस ने गिरफ्तार किये गये अभियुक्त के कब्जे से अवैध असलहा भी बरामद किया है। बता दें कि गजरौला थाना पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कलुआ पुत्र जगत सिंह, निवासी ग्राम खुंगावली, थाना गजरौला, अमरोहा के रूप में हुई है।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ थाना गजरौला में मु0अ0सं0 479/2026, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।पुलिस के अनुसार, आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सुभाष चौहान, हेड कांस्टेबल मनीष कुमार और कांस्टेबल अरविंद कुमार शामिल थे।इस संबंध में थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि क्षेत्र में अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

गुलदार के हमले में बच्चे की मौत के 24 घंटे में पीड़ित परिवार को सौंपा पांच लाख का चेक

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के विधानसभा क्षेत्र नहटौर के ग्राम मुस्सेपुर पाली में विगत दिवस नरभक्षी गुलदार के हमले में राजवीर सिंह के 2 वर्षीय पुत्र रोहित की हुई दर्दनाक मृत्यु पर विधायक ओम कुमार ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के आवास पर पहुंचकर परिजनों से भेंट की और अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान विधायक ओम कुमार ने उत्तर प्रदेश सरकार की दैवीय आपदा एवं वन्यजीव योजना के अंतर्गत पीड़ित परिवार को 5,00,000 (पांच लाख रुपये) की सहायता राशि का चेक प्रदान किया। उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में सरकार और वह स्वयं पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। विधायक ने संबंधित वन विभाग एवं प्रशासनिक अधिकारियों को नरभक्षी गुलदार को शीघ्र पकड़ने तथा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पीड़ित परिवार की हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। विधायक ओम कुमार ने कहा कि मासूम रोहित की असमय मृत्यु अत्यंत हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख नहटौर राकेश चौधरी, तहसीलदार धामपुर अतुल भगत, खंड विकास अधिकारी नहटौर प्रताप सिंह, रेंजर धामपुर आशीष जोशी, अरुण चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार बुलंदशहर पहुंचे डॉ. भोला सिंह

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री बनाए जाने के बाद स्थानीय सांसद डॉ. भोला सिंह के प्रथम बार जनपद आगमन पर भाजपा कार्यकताओं ने जिला अध्यक्ष विकास चौहान के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया। दिल्ली रोड स्थित अभिनंदन वाटर पार्क पर बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों, पुष्पमालाओं और नारों के साथ उनका अभिनंदन किया। इसके बाद निकाले गए रोड शो में भूड़ चौराहे पर चौधरी चरण सिंह तथा कल्याण सिंह चौराहे पर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर व्यापारियों, नागरिकों एवं कार्यकताओं ने पुष्पवर्षा कर सांसद का स्वागत किया। डीएम कॉलोनी स्थित ग्रीन इंडिया होटल में आयोजित स्वागत समारोह में डॉ. भोला सिंह ने केंद्रीय नेतृत्व और कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि राष्ट्रीय मंत्री का दायित्व उनके लिए पद नहीं, बल्कि संगठन और राष्ट्र की सेवा का अवसर है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं का स्नेह और विश्वास उन्हें नई ऊर्जा देता है। भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने कहा कि डॉ. भोला सिंह का राष्ट्रीय मंत्री बनना पूरे बुलंदशहर के लिए गौरव की बात है। इससे जिले के कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है और संगठन को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अंतुल तेवतिया, विधायक मीनाक्षी सिंह, विधायक लक्ष्मी राज सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष दीप्ति मित्तल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, व्यापारी नेता एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता में 53 किलो वर्ग में कुश्ती में छात्रा कु. राधा ने जीता गोल्ड

अमरोहा (सब का सपना):- जे0 एस0 हिन्दू इण्टर कॉलेज अमरोहा की छात्रा ने मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता में 53 किलो वर्ग में कुश्ती में जीता गोल्ड।हेविट मुस्लिम इण्टर कॉलेज मुरादाबाद में आयोजित मंडल स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में अमरोहा जनपद की ओर से जे0 एस0 हिन्दू इण्टर कॉलेज अमरोहा की कक्षा 12 विज्ञान वर्ग की छात्रा कु0 राधा ने 53 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक जीत कर विद्यालय और अमरोहा का मान बढ़ाया है। अब कु0 राधा सितंबर में गोरखपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। यह जानकारी विद्यालय के खेल प्रशिक्षक राजवीर सिंह ने दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 जी0 पी0 सिंह तथा प्रबंधक पंकज गुप्ता सहित समस्त स्टाफ ने छात्रा और उसके परिजनों को बधाई दी है। विद्यालय आने पर छात्रा की इस उपलब्धि पर सम्मान किया जाएगा। कु0 राधा के कुश्ती में स्वर्ण पदक जीतने पर छात्र छात्राओं और स्टाफ में खुशी का माहौल है।

भैंस की पूंछ पकड़कर गहरे पानी में नहाने गया किशोर, डूबने से मौत

तालाब में नहाने के दौरान हुआ हादसा, आधे घंटे की मशक्कत के बाद मिला शव,परिवार में मचा कोहराम

हजरतनगर गढ़ी/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के फुलसिंहा गांव में रविवार को तालाब में नहाने गए कक्षा नौ के छात्र की डूबने से मौत हो गई। किशोर भैंस की पूंछ पकड़कर तालाब के गहरे पानी में चला गया था। अचानक हाथ से पूंछ छूटने के बाद वह पानी में डूब गया। ग्रामीणों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद उसे तालाब से बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मोहम्मद अदनान (14) पुत्र मुर्सालिन निवासी फुलसिंहा के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक रविवार दोपहर करीब तीन बजे अदनान गांव के अमान, अयान और अजमल के साथ गांव स्थित हाथी वाले तालाब में नहाने गया था। नहाते समय अदनान एक भैंस की पूंछ पकड़कर तालाब के करीब 15 फीट गहरे पानी में चला गया। इसी दौरान अचानक उसके हाथ से भैंस की पूंछ छूट गई और वह गहरे पानी में डूब गया। अदनान के डूबने के बाद उसका दोस्त अमान घर पहुंचा और परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग तालाब पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तत्काल तलाश शुरू की और करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद अदनान को पानी से बाहर निकाला। परिजन उसे संभल के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर रविवार शाम पुलिस भी गांव पहुंची। पुलिस ने परिजनों से घटना की जानकारी ली। मृतक के पिता मुर्सालिन ने किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि हादसे में किसी की गलती नहीं है और उनके बेटे की जिंदगी इतनी ही थी। अदनान नगर पंचायत सिरसी कस्बा क्षेत्र स्थित जवाहरलाल इंटर कॉलेज में कक्षा नौ में पढ़ता था। उसके पिता किसान हैं और खेती-बाड़ी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। किशोर की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मां शबनम समेत बहन तूबा (16), शाफियां (11) और जुनैफा (3) का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

प्रभारी मंत्री गुलाब देवी की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- माध्यमिक शिक्षा मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री उत्तर प्रदेश शासन गुलाब देवी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार, अमरोहा में विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लो, जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरि गोस्वामी, विधायक धनौरा राजीव तरारा, भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश गोला, जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, पुलिस अधीक्षक लखन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र, जिला उपाध्यक्ष हिमांशु त्यागी, जिला महामंत्री प्रेम सिंह सैनी, जिला पंचायत सदस्य पवनीत दिवाकर तथा अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) गरिमा सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों के स्वागत एवं शॉल भेंट कर किया गया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने सिलाई ट्रेड एवं हलवाई ट्रेड के लाभार्थियों को किट वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। बैठक के प्रारम्भ में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने जनपद की आर्थिक स्थिति, विकास की रूपरेखा एवं प्रमुख उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे सफाई किट सहित विभिन्न विभागों की उल्लेखनीय उपलब्धियों से अवगत कराया। प्रस्तुतीकरण में पंडित दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, बीकेएस ग्राम उन्नति योजना, पर ड्रॉप मोर क्रॉप (माइक्रो इरिगेशन), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम कुसुम योजना, बीज डीबीटी, टेली रेडियोलॉजी, दिव्यांग पेंशन आधार सीडिंग, ऑपरेशन कायाकल्प, पशु टीकाकरण, शादी अनुदान योजना, निराश्रित महिला पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, अल्पकालीन ऋण वितरण एवं वसूली, प्रोजेक्ट अलंकार तथा प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में जनपद के उत्कृष्ट प्रदर्शन की जानकारी दी गई। समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति से प्रभारी मंत्री को अवगत कराया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने पीएम श्री विद्यालय, डिजिटल लाइब्रेरी, ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण भारत मिशन, निपुण आकलन परीक्षा, स्कूल चलो अभियान तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की प्रगति की जानकारी दी। जिला विद्यालय निरीक्षक ने प्रोजेक्ट अलंकार की प्रगति प्रस्तुत की, जबकि उपायुक्त उद्योग ने जनपद में निवेश, एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) वित्तपोषण योजना तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों से अवगत कराया। परियोजना निदेशक, डीआरडीए ने मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), विकसित भारत संकल्प अभियान तथा उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की प्रगति प्रस्तुत की। जिला पंचायत राज अधिकारी ने पंचम राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को प्राप्त धनराशि एवं व्यय तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत सामुदायिक शौचालयों के निर्माण की स्थिति बताई। कृषि विभाग ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना एवं उर्वरकों तथा बीजों की उपलब्धता की जानकारी दी। जिला उद्यान अधिकारी ने एकीकृत बागवानी विकास मिशन, पर ड्रॉप मोर क्रॉप (माइक्रो इरिगेशन) योजना एवं अन्य उद्यानिकी योजनाओं की प्रगति प्रस्तुत की। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने निराश्रित गोवंश संरक्षण, राष्ट्रीय खुरपका-मुंहपका रोग नियंत्रण कार्यक्रम, लम्पी स्किन डिजीज टीकाकरण अभियान सहित अन्य पशुधन विकास कार्यक्रमों की जानकारी दी। अधीक्षण अभियंता विद्युत ने रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति तथा 1912 हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की जानकारी दी। वन विभाग ने वर्ष 2025-26 के वृक्षारोपण के सापेक्ष जीवित पौधों का विवरण प्रस्तुत किया। समाज कल्याण विभाग ने मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना, विभिन्न पेंशन योजनाओं एवं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की प्रगति से अवगत कराया। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन, कुपोषित बच्चों के पोषण सुधार तथा सक्षम योजना के अंतर्गत किए गए कार्यों की जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, जननी सुरक्षा योजना एवं आवश्यक दवाओं की उपलब्धता की स्थिति प्रस्तुत की। जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति, नगर विकास विभाग द्वारा सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी-2.0) तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा की गई। खाद्य एवं रसद विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत निःशुल्क राशन वितरण कार्यक्रम तथा जन शिकायत प्रकोष्ठ द्वारा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, आईजीआरएस, तहसील समाधान दिवस एवं अन्य जन शिकायतों के निस्तारण की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत की। बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुँचे। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, गुणवत्ता, नियमित मॉनिटरिंग तथा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री गुलाब देवी ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी सेवाभाव एवं जिम्मेदारी की भावना के साथ कार्य करें तथा अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्तियों तक पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और निर्धारित मानकों के अनुरूप पहुँचना चाहिए। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों से टीम भावना एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहनकरने का आह्वान किया। इसके साथ उन्होंने सभी अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ निरंतर समन्वय एवं संवाद बनाए रखें, जिससे विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं का प्रभावी एवं सुचारु क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अधिकारी समीक्षा बैठकों में उठाए गए बिंदुओं का गंभीरता से संज्ञान लेकर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें।अंत में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने प्रभारी मंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा कि बैठक में प्राप्त सभी मार्गदर्शन एवं निदेशों का पूर्णतः पालन किया जाएगा तथा शासन की योजनाओं का संचालन एवं क्रियान्वयन और अधिक प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आगामी समीक्षा बैठक में और बेहतर परिणाम प्रस्तुत किए जाएंगे तथा सभी निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर, परियोजना निदेशक अम्बरीष कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के अलास्का में चार्टर विमान हुआ क्रैश, दो पायलटों समेत आठ की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के अलास्का में हुए एक बड़े विमान हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई है। पश्चिमी अलास्का में चार्टर विमान क्रैश हो गया और उसमें सवार दो पायलटों समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। अमेरिका की सेना ने सभी आठों लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। एक संघीय अधिकारी ने बताया कि विमान उड़ान भरने के बाद पश्चिमी अलास्का के रिमोट इलाके में रडार से गायब हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि चार्टर विमान ने एंकरेज इलाके से उड़ान भरी थी और गुरुवार दोपहर में वह केप न्यूनहैम इलाके में रडार से गायब हो गया। इसके बाद राहत और बचाव दल विमान की तलाश में जुटा। अब अमेरिकी सेना ने विमान के क्रैश होने की पुष्टि कर दी है और बताया कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी सेना ने बयान जारी कर मृतकों के प्रति संवेदना जाहिर की है।

टेक दिग्गज अपने बच्चों को सोशल मीडिया से क्यों रखते हैं दूर, दूसरों पर क्या हो रहा असर

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया और डिजिटल तकनीक ने हमारी जिंदगी को आसान और तेज बनाया है। लेकिन इस तकनीक की दुनिया के बड़े नाम अपने बच्चों के मामले में इसके इस्तेमाल को सीमित रखने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जिन लोगों ने डिजिटल दुनिया को इतना बड़ा बनाया, वे अपने बच्चों को इससे क्यों दूर रखना चाहते हैं क्या सोशल मीडिया बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार को प्रभावित कर रहा है विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े क्या कहते हैं दुनिया के कई देश बच्चों के लिए सोशल मीडिया की उम्र सीमा तय करने की ओर क्यों बढ़ रहे हैं इन प्लेटफॉर्मस पर कब-कब ऐसे मामले देखने को मिले हैं भारत इस दिशा में क्या कर रहा है मेटा के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग ने कहा था कि वह नहीं चाहते कि उनके बच्चे लंबे समय तक टीवी या कंप्यूटर के सामने बैठे रहें। उनके अनुसार लोगों के साथ बातचीत करना अच्छी बात है, लेकिन लगातार एक वीडियो से दूसरे वीडियो पर जाना उतना सकारात्मक नहीं है।

ईरान के ड्रोन हमलों के बीच अमेरिका का बड़ा फैसला, क्यों बंद की यूरोप की अहम यूनिट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने यूरोप में ड्रोन युद्ध की तकनीक पर काम कर रही अपनी एक विशेष यूनिट को बंद करने का फैसला किया है। यह यूनिट पिछले करीब एक साल से ड्रोन बनाने, उनका इस्तेमाल करने और युद्ध के दौरान ड्रोन से लड़ने की रणनीति पर प्रयोग कर रही थी। अब इसे दोबारा एक पारंपरिक एयरबोर्न इन्फैंट्री बटालियन के रूप में काम करने का निर्देश दिया गया है। यह यूनिट इटली और जर्मनी में तैनात 173वीं एयरबोर्न ब्रिगेड का हिस्सा है। पिछले साल नवंबर में करीब 600 सैनिकों की एक बटालियन को विशेष रूप से ड्रोन युद्ध के लिए तैयार किया गया था। इसका उद्देश्य ऐसी तकनीक और रणनीति विकसित करना था, जिसे जरूरत पड़ने पर किसी भी युद्ध क्षेत्र में इस्तेमाल किया जा सके। अमेरिकी सेना ने यूक्रेन और रूस के बीच लंबे समय से चल रहे युद्ध में ड्रोन के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल से सीख लेने के लिए यह प्रयोग शुरू किया था। यूक्रेन ने युद्ध में कम लागत वाले ड्रोन, खासकर ड्रोन, का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है। 173वीं एयरबोर्न ब्रिगेड के सैनिक इटली में एक विशेष ड्रोन लैब में अपने हमलावर ड्रोन भी तैयार कर रहे थे। सेना के मुताबिक, सैनिक ड्रोन के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऐसे ड्रोन विकसित करने पर भी काम कर रहे थे, जिन्हें दुश्मन की जैमिंग तकनीक से बचाया जा सके। अमेरिकी सेना के अधिकारियों के मुताबिक, विशेष ड्रोन यूनिट इस महीने और अगले महीने जर्मनी में होने वाले दो बड़े सैन्य अभ्यासों के बाद अपना प्रयोगात्मक काम पूरा करेगी। इसके बाद यूनिट की ओर से पिछले एक साल में हासिल की गई जानकारी और अनुभव सेना को सौंपा जाएगा। सेना का कहना है कि इन अनुभवों का इस्तेमाल भविष्य में सैनिकों की तैनाती, सैन्य ढांचे और ड्रोन से जुड़ी नई तकनीक के विकास की योजना बनाने में किया जाएगा। इस फैसले की खास बात यह है कि अमेरिकी सेना के लिए ड्रोन युद्ध का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ईरान के साथ युद्ध के दौरान ईरान ने कम लागत वाले शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल अमेरिकी जहाजों और सैन्य ठिकानों के खिलाफ किया। इन हमलों में अमेरिकी सैनिकों के मारे जाने, एक सेना के हेलिकॉप्टर के गिरने और महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों के इस्तेमाल की बात सामने आई है।

पीएम पोषण योजना के रसोइयों को दोहरी सौगात, बढ़ा मानदेय और कैशलेस चिकित्सा कार्ड

अमरोहा (सब का सपना):- माध्यमिक शिक्षा मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री उ0प्र0 शासन, गुलाब देवी की अध्यक्षता में शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लो, जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरि गोस्वामी, विधायक धनौरा राजीव तरारा, सदस्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी भाजपा ओमप्रकाश गोला, जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़, पुलिस अधीक्षकलाखन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र, की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में द्वारा पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों का सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर किया गया। जुपिटर सभागार, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ से मुख्यमंत्री द्वारा रसोइयों का सम्मान एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण का शुभारंभ कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों एवं रसोइयों द्वारा उत्साहपूर्वक देखा व सुना गया। कार्यक्रम में कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय अमरोहा की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में सुनीता, ब्रजेश, मुनेश, राजेन्द्री देवी, मुनेश, संतोष, रेशमा, ह्रदेश, सुनीता और मोनिका को सम्मान एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड

एवं मानदेय वृद्धि का प्रतिकात्मक चेक का वितरण किया गया और शॉल उड़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश में पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत 3.54 लाख रसोइयों के सम्मान तथा उन्हें 5 लाख तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सा कार्ड वितरण की शुरूआत की गई। बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों, शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों के बाद अब पीएम पोषण योजना से जुड़े रसोइयों को भी ड्ड5 लाख तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा से आच्छादित किया गया है। जनपद अमरोहा में 2680 रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए। इस अवसर पर रसोइयों के मानदेय में रू0 1,000 प्रतिमाह की वृद्धि किए जाने की घोषणा की गई, जिससे अब उनका कुल मानदेय 3,000 प्रतिमाह हो गया है। साथ ही रसोइयों को ड्रेस/साड़ी के लिए दी जाने वाली राशि को 500 से बढ़ाकर 1,000 किया गया और रसोइयों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में 2 लाख तक के दुर्घटना बीमा के लिए भारतीय स्टेट बैंक से एमओयू का आदान-प्रदान भी किया गया। प्रभारी मंत्री ने रसोइयों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा बच्चों के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि रसोइयां मातृत्व भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। वे बच्चों की सेवा समर्पण भाव से करती हैं और बच्चों को बुरी आदतों से दूर रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि रसोइयां सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें बच्चों की सेवा करने का अवसर मिल रहा है। जब बच्चों को स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन मिलेगा, तो वे स्वस्थ एवं मजबूत बनेंगे और आगे चलकर परिवार, समाज तथा देश की रक्षा एवं सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की स्थिति में 2 लाख तक का बीमा सुरक्षा प्रावधान उपलब्ध है। सभी रसोइयां बच्चों के प्रति स्नेह, सहयोग, करुणा और समर्पण का भाव रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें। कर्म का फल अवश्य मिलता है, इसलिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करें। सदस्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी भाजपा ओमप्रकाश गोला ने कहा कि वर्ष 2014 एवं 2017 के बाद देश और प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन हुए हैं, मिड-डे मील रसोइयों द्वारा पूरी निष्ठा एवं समर्पण से कार्य किया जा रहा है और अपने दायित्वों और आत्मविश्वास को बनाए रखें। उन्होनें कहा कि बच्चों को अच्छे संस्कार दें तथा विद्यालय में उच्च विचारों का वातावरण तैयार करें। उन्होनें जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों को संस्कार एवं प्रेरणा देने का कार्य सराहनीय है। शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लो ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। विद्यालयों का कायाकल्प, शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों के हित में कार्य किए गए हैं। उन्होनें कहा कि विद्यालयों में रसोईघरों एवं अन्य सुविधाओं का विकास कराया गया है। उन्होनें कहा कि बच्चों को अपने बच्चों की तरह प्यार और सम्मान दें और भोजन पूरी लगन और स्नेह के साथ तैयार करें तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरि गोस्वामी ने कहा कि कैशलेश कार्ड वितरण कार्यक्रम सराहनीय पहल है। उन्होने कहा कि सामूहिक भोजन में साफ-सफाई एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी समय-समय पर विद्यालयों में भोजन करें ताकि गुणवत्ता की जांच होती रहे। विधायक, धनौरा राजीव तरारा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गरीब एवं वंचित वर्ग के हित में अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, बच्चों को केवल भोजन ही नहीं, बल्कि संस्कार और स्नेह भी मिलना चाहिए। उन्होनें उपस्थित रसोईयो से आह्वान करते हुये कहा कि भोजन बनाते समय स्वच्छता, गुणवत्ता और पोषण का विशेष ध्यान रखें और निर्धारित मानकों के अनुसार पौष्टिक भोजन तैयार करें इसी के साथ ही सभी रसोइये प्रसन्न मन और पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने सर्वप्रथम सभी रसोइयों को शुभकामनाएँ दीं।

उन्होनें प्रभारी मंत्री को आश्वस्त करते हुये कहा कि शासन के निदेर्शानुसार प्रत्येक विद्यालय में पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाऐगा और भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जायेगी और इसी के साथ सभी संबंधित अधिकारी नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक लखन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गरिमा सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी रमाकान्त सागर, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और रसोईयें उपस्थित रही।

न्यूयॉर्क कैपिटल-टाइम्स स्[यर उड़ाने की थी साजिशः यूएस ने नाकाम किया आईएसआईएस का बड़ा हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अधिकारियों ने अल्बानी स्थित न्यूयॉर्क कैपिटल पर कथित बम हमले की साजिश को नाकाम करते हुए 35 वर्षीय जेसिका बोवी को गिरफ्तार किया है। संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, वह आईएसआईएस के प्रति समर्थन जता चुकी थी, हमले के लिए सरकारी इमारतों की रेकी कर चुकी थी और विस्फोटक को भोजन पहुंचाने की सेवा के जरिए अंदर पहुचाने की योजना बना रही थी। अधिकारियों ने बताया कि उसे एक निष्क्रिय विस्फोटक और नकली बंदूक दिए जाने के बाद न्यूयॉर्क कैपिटल के पास गिरफ्तार किया गया।

आतंकी संगठन को मदद देने की कोशिश का आरोप : बोवी को गुरुवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद विदेशी आतंकवादी संगठन को मदद पहुंचाने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसे न्यूयॉर्क की राजधानी अल्बानी की संघीय अदालत में पेश किया गया, जहां एक संघीय मजिस्ट्रेट ने उसे हिरासत में भेज दिया। उसके खिलाफ दायर शिकायत में संघीय जांच ब्यूरो ने कहा है कि करीब पांच साल पहले इस्लाम धर्म अपनाने के बाद बोवी ने कुनिया यानी सम्मानसूचक इस्लामी नाम आयशा सैफ अपना लिया था। सामाजिक माध्यमों पर उसने 2001 में अल-कायदा के आतंकवादियों द्वारा किए गए 9/11 हमलों के समर्थन में पोस्ट किए थे।

सामाजिक माध्यमों पर

अमेरिका विरोधी बयान : संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, बोवी ने कई अन्य अमेरिका विरोधी टिप्पणियां भी की थीं और आतंकवादी संगठनों के प्रति समर्थन जताया था। एक संघीय जांच ब्यूरो के मुखबिर ने उससे संपर्क किया। अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बातचीत के दौरान बोवी ने आतंकवादी हमला करने में रुचि दिखाई। उसने कथित तौर पर मुखबिर से कहा, काफिरों का दिमाग उड़ा देना खूबसूरत है।

आईएसआईएस प्रमुख के प्रति निष्ठा की शपथ का दावा : शिकायत के मुताबिक, अपनी प्रतिबद्धता साबित करने के लिए बोवी ने विश्वासियों के कमांडर और मुसलमानों के खलीफा, मुजाहिद शेख अबू हाफा अल-हाशिमी अल-कुरैशी के प्रति पारंपरिक इस्लामी निष्ठा की शपथ यानी बयाह पूरी कर ली है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, वह इस्लामिक स्टेट आतंकी संगठन का प्रमुख है।

अल्बानी में सरकारी इमारतों की रेकी : संघीय जांच ब्यूरो की शिकायत के अनुसार, बोवी ने अल्बानी में कई इमारतों की रेकी की। इनमें गवर्नर का कार्यालय भी शामिल था। बाद में उसने न्यूयॉर्क कैपिटल को निशाना बनाने का फैसला किया, जहां राज्य की विधायिका का कामकाज होता है। मुखबिर ने उसकी मुलाकात दो अन्य मुखबिरों से कराई। इन दोनों ने बोवी के समर्थक होने का दिखावा किया और उसकी योजना में मदद करने की पेशकश की।

जितना संभव हो सके उतना नुकसान पहुंचाने की योजना : शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बोवी ने दोनों से कहा कि वह इमारत को जितना संभव हो सके उतना नष्ट करना और बैठक के दौरान राज्य के सीनेटरों को मारना चाहती है। उसने कहा कि जिस जोखिम का वह सामना कर रही थी, उसके बदले वह केवल एक या दो लोगों को मारना नहीं चाहती, बल्कि इससे कहीं अधिक बड़ा नुकसान करना चाहती है। संघीय जांच ब्यूरो के विशेष एजेंट क्रेग ट्रेमारोली ने पत्रकारों से कहा कि बोवी सिर्फ सांसदों को मारना नहीं चाहती थी, बल्कि वह हमारी सरकार के विनाश की मंशा रखती थी।

टाइम्स स्क्वायर और व्हाइट हाउस भी निशाने पर : अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बोवी ने हमले के बाद भाग निकलने और देश से बाहर जाने के लिए विमान पकड़ने की इच्छा जताई थी, हालांकि उसे खुद भी यकीन नहीं था कि वह ऐसा कर पाएगी। उसने धमकी दी थी कि वह वापस लौटकर और हमले करेगी। इनमें नए साल की पूर्व संध्या पर टाइम्स स्क्वायर में हमला भी शामिल था। शिकायत के अनुसार, वह व्हाइट हाउस को भी निशाना बनाना चाहती थी, लेकिन उसका मानना था कि वहां हमला करना अधिक मुश्किल होगा।

भोजन पहुंचाने वाले थैले में विस्फोटक पहुचाने की योजना : हमले की कथित योजना के तहत बोवी ने कहा था कि विस्फोटक को खाने की डिलीवरी के सामान के रूप में अंदर पहुंचाया जाएगा। इसके लिए उसने एक भोजन पहुंचाने वाली सेवा से थैला भी हासिल किया था। संघीय जांच ब्यूरो के मुताबिक, जब उसने वह सामग्री खरीद ली।

47 परिवारों को 500 करोड़ रुपये देगा हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, मुर्दाघर प्रबंधक ने बेच दिए थे शवों के अंग

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिका के प्रतिष्ठित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल ने उन परिवारों को 5.3 करोड़ डॉलर (करीब 500 करोड़ रुपये) देने पर सहमति जताई है, जिनके परिजनों के शवों के अंग चोरी कर काले बाजार में बेचे गए थे। यह मामला स्कूल के पूर्व मुर्दाघर प्रबंधक सेड्रिक लॉज से जुड़ा है। अदालत की मंजूरी मिलने के बाद दो अलग-अलग सामूहिक मुकदमों के निपटारे के लिए यह रकम दी जाएगी। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के डीन जॉर्ज क्यू. डेली और बर्नार्ड एस. चांग ने एक पत्र में लॉज की करतूत को बेहद घृणित और मेडिकल समुदाय के मूल्यों के साथ विश्वासघात बताया। उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना भी जताई।

47 परिवारों ने किया था मुकदमा : इस मामले में उन 47 लोगों के परिजनों ने मुकदमा दायर किया, जिन्होंने मेडिकल रिसर्च और पढ़ाई के लिए अपने शरीर दान किए थे। हार्वर्ड का कहना है कि वह यह निश्चित तौर पर नहीं बता सकता कि लॉज ने किन-किन दानदाताओं के शवों से अंग निकाले थे। स्कूल ने 2018 से मार्च 2023 के बीच दान किए गए शवों के रिकॉर्ड और संघीय जांच से मिली जानकारी की समीक्षा की। इसी आधार पर संभावित रूप से प्रभावित दानदाताओं की पहचान करने की कोशिश की गई।

दिमाग से लेकर हाथ और चेहरे तक बेचे : लॉज को 2023 में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, वह शवों के अंग चोरी कर उन्हें दूसरे राज्यों में खरीदारों तक पहुंचाने वाले एक भयावह नेटवर्क के केंद्र में था। उसने शवों से दिमाग, त्वचा, हाथ और चेहरे तक निकालकर बेच दिए। एक मामले में उसने एक खरीदार को मानव त्वचा दी थी, जिसका इस्तेमाल चमड़ा बनाकर एक किताब की जिल्द तैयार करने में किया जाना था। अभियोजक ने इसे बेहद भयावह घटना बताया था। लॉज ने अदालत में स्वीकार किया था कि वह शवों को अंतिम संस्कार के लिए भेजे जाने से पहले उनके अंग निकालता था। हार्वर्ड ने स्पष्ट किया है कि उसने यह काम संस्थान की जानकारी या अनुमति के बिना किया। सेड्रिक लॉज को पिछले साल आठ साल जेल की सजा सुनाई गई थी। उसकी पत्नी डेनिस लॉज को भी इस मामले में मदद करने के लिए एक साल से कुछ अधिक समय की जेल हुई। इसके अलावा लॉज से शवों के अंग खरीदने वाले छह अन्य लोगों ने भी अपना अपराध स्वीकार किया और उन्हें सजा सुनाई गई। समझौते के तहत हार्वर्ड प्रभावित परिवारों को भुगतान करने के साथ-साथ एक आधिकारिक बयान भी देगा, जिसमें लॉज के कृत्य की निंदा की जाएगी और मेडिकल स्कूल के शव दान कार्यक्रम में किए गए सुधारों की जानकारी दी जाएगी।

नूर खान एयरबेस पर दिखा तुर्किये का सैन्य विमान, ऑपरेशन सिंदूर के बाद फिर क्यों बढ़ी हलचल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और तुर्किये के बीच रक्षा सहयोग को लेकर एक नई हलचल सामने आई है। मक्का रक्षा समझौते के बाद तुर्किये वायुसेना का एक सैन्य परिवहन विमान पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस पहुंचा। विमान 18 अगस्त को वहां पहुंचने और लौटने के दौरान दर्ज किया गया। इसी एयरबेस को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय कार्रवाई में निशाना बनाया गया था।

इस घटनाक्रम के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पाकिस्तान में तुर्किये की सैन्य गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। एविएशन हिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार तुर्किये वायुसेना का एयरबस ए-400एम एटलस विमान 18 अगस्त को नूर खान एयरबेस पहुंचा और वहां से वापस लौटा। विमान का कॉलसाइन टीयूएएफ526 बताया गया है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, तुर्किये की ओर से उन्नत ड्रोन, हथियार और अन्य सैन्य साजो-सामान पाकिस्तान पहुंचाए जाने की आशंका है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में इस विमान के जरिए भेजे गए सामान की पूरी सूची सामने नहीं आई है। भारतीय एजेंसियां इस गतिविधि को गंभीरता से देख रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी तुर्किये की ओर से पाकिस्तान को सैन्य साजो-सामान दिए जाने की बात सामने आई थी। मई 2025 में पाकिस्तान ने तुर्किये मूल के असिसगार्ड सोंगर और यिहा-3 ड्रोन का इस्तेमाल किया था, जिन्हें भारतीय कार्रवाई में नष्ट किया गया था। पाकिस्तान अपनी सैन्य क्षमता को चीन के साथ-साथ तुर्किये के तेजी से विकसित हो रहे रक्षा उद्योग और मानवरहित प्रणालियों से भी जोड़ रहा है। इससे दोनों देशों के रक्षा संबंध भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाते हैं। पाकिस्तान और तुर्किये के बीच ड्रोन तकनीक को लेकर सहयोग पहले भी सामने आता रहा है। मई में पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्दू ने तुर्किये में बायकर के चेयरमैन सेल्चुक बेराक्तार से मुलाकात की थी। बायकर बायराक्तार टीबी-2, अकिन्जी और केजिलेलेमा जैसे मानवरहित युद्धक विमान विकसित करने वाली कंपनी है।

दो हफ्ते में परमाणु बम बना लेता ईरान, ट्रंप का तेहरान हमलों पर बड़ा दावा, होर्मुज पर कब्जे को लेकर क्या कहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान से जुड़े रणनीतिक जलमार्गों पर लगभग नियंत्रण कर रहा है और जल्द ही वहां पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ट्रंप ने कहा, जब हमने बी-2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा। ट्रंप ने अपने पूर्व निजी वकील माइकल कोहेन के साथ एक साक्षात्कार में ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने यह भी माना कि इस संघर्ष के कारण अमेरिकी लोगों को पेट्रोल और ऊर्जा की अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। ईरान के साथ अमेरिका का समझौता करना क्यों हुआ

मुश्किल 77 डब्ल्यूएबीसी रेडियो पर प्रसारित साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा, अब ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा। हम जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कर रहे हैं और जल्द ही पूरा नियंत्रण कर लेंगे। हम ईरान के साथ बहुत अच्छा कर रहे हैं। बुधवार को जारी साक्षात्कार के इस हिस्से में ट्रंप ने जलमार्गों का नाम नहीं बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की नौसेना, वायुसेना और नेतृत्व को गंभीर नुकसान पहुंचा है, जिससे बातचीत के जरिए समझौता करना मुश्किल हो गया है। ट्रंप ने कहा, समस्या का एक हिस्सा यह है कि बहुत से नेता चले गए हैं। समझौता करना आसान नहीं है। कोई नहीं जानता कि नेतृत्व कौन कर रहा है। अमेरिका में बढ़ती ऊर्जा कीमतों पर क्या बोले ट्रंप उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिकी उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रपति ने कहा, और मैं उनसे कहता हूं कि आपकी ऊर्जा की लागत थोड़ी अधिक होगी, पेट्रोल की कीमत भी थोड़ी अधिक होगी। लेकिन हमें मध्य पूर्व का सफर तय करना होगा, क्योंकि हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दे सकते। उन्होंने दावा किया कि ईरान को सैन्य रूप से पूरी तरह तबाह कर दिया गया है और उसकी मिसाइलों तथा ड्रोन बनाने की क्षमता काफी कम हो गई है। उन्होंने बढ़ती महंगाई, कमजोर मुद्रा और सैन्यकर्मियों को वेतन नहीं मिलने का भी जिक्र किया और इन्हें तेहरान पर बढ़ते दबाव का संकेत बताया। उन्होंने कहा, मैंने ऐसा क्यों किया, और हमारे पास कोई विकल्प नहीं था, मैं इसे फिर से सौ बार करता, वे परमाणु हथियार नहीं रख सकते और उनके पास परमाणु हथियार नहीं होगा। ट्रंप ने ईरान के परमाणु ठिकानों के खिलाफ बी-2 बमवर्षक विमानों के इस्तेमाल का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान देर रात चलाया गया और हर बम अपने लक्ष्य पर गिरा। उन्होंने कहा, जब हमने बी-2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। और यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा, क्योंकि आप उन्हें इस तरह का हथियार रखने की अनुमति नहीं दे सकते।

साउथ एक्ट्रेस अनुपमा बोलीं-

पहले 11 बच्चे चाहती थी

अभी एक भी नहीं चाहिए

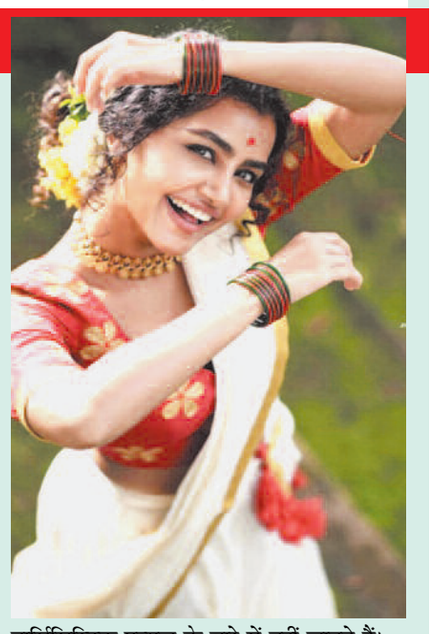

अनुपमा परमेश्वरन की फिल्में 'दमदार खिलाड़ी' (हेलो गुरु प्रेमा कोसमे) और 'नंबर 1 दिलवाला' (वुन्नाधी ओकाटे जिंदगी) हिंदी दर्शकों के बीच काफी मशहूर हैं। अनुपमा परमेश्वरन की फिल्में 'दमदार खिलाड़ी' (हेलो गुरु प्रेमा कोसमे) और 'नंबर 1 दिलवाला' (वुन्नाधी ओकाटे जिंदगी) हिंदी दर्शकों के बीच काफी मशहूर हैं।

साउथ एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन ने हाल ही में अपने अतीत के एक नार्सिसिस्टिक दुर्व्यवहार (आत्ममुग्धता से भरे शोषण) वाले रिश्ते के बारे में बताया। धन्या वर्मा के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में अनुपमा ने कहा कि उनके एक्स-पार्टनर ने कथित तौर पर उन्हें एक्ट्रेस होने, कॉन्फिडेंट होने और यहां तक कि पीरियड्स होने जैसी बातों पर भी शर्मिंदा महसूस कराया। रिश्ते के असर के बारे में बताते हुए अनुपमा ने कहा कि पहले वह 11 बच्चे चाहती थीं, लेकिन अब बच्चे नहीं चाहतीं। उन्होंने बताया कि पूर्व पार्टनर हर बहस को उनके पीरियड्स से जोड़ देता था, फिर चाहे वह पीरियड्स के किसी भी दिन हुई हो। उन्होंने कहा, 'पीरियड्स का पहला दिन हो, पांचवां दिन, दसवां दिन, पंद्रहवां दिन, बीसवां दिन या पच्चीसवां दिन, साइकिल का कोई भी दिन हो।

आप इस व्यक्ति की किसी गलती पर उससे सवाल करेंगे, तो वह कहेगा- ओह, तुम पीएमएस (प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) कर रही हो, तुम्हारे पीरियड्स आने वाले हैं। इसलिए मुझे बहुत शर्म आती थी।' अनुपमा ने आगे कहा, रिश्ते में लगातार इमोशनल उतार-चढ़ाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'बहुत से लोग नार्सिसिस्टिक एब्यूज के बारे में नहीं जानते हैं। एक दिन, वह रेमो होगा। मुझ पर प्यार और देखभाल की बारिश होगी और मैं शायद दुनिया का सबसे लकी इंसान महसूस करूंगी। उन्होंने कहा, 'लेकिन अगले दिन वह अन्नियन होगा। यह उसका सबसे क्रूर रूप होगा और उसे आसपास क्या हो रहा है, इसकी बिल्कुल परवाह नहीं होगी। अनुपमा ने आगे कहा था, 'अगले दिन यही व्यक्ति अंबी बन जाएगा। वह अपनी गलतियों के लिए मुझसे माफी मांगेगा और बच्चे की तरह रोएगा। वह वादा करेगा कि गलतियां दोबारा नहीं करेगा, लेकिन फिर प्यार का वही चक्र जारी रहेगा।

मुझे महिला होने पर बहुत बुरा लगता था।

'मैं 11 बच्चे पैदा करने का सपना देखने वाली इंसान थी। इस समय मुझे बच्चे भी नहीं चाहिए। मुझे महिला होने पर बहुत बुरा लगता था। अपनी उपलब्धियों को लेकर भी मुझे बहुत बुरा लगता था। अनुपमा पहले भी अपने पूर्व पार्टनर के साथ रिश्ते के अनुभव के बारे में बात कर चुकी हैं। एक पुराने सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने इस रिश्ते को 'नार्सिसिस्टिक एब्यूज' बताया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके पार्टनर ने धीरे-धीरे उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के अलग-अलग पहलुओं को कंट्रोल करना शुरू कर दिया था।

जानवरों को टारगेट करना बंद करो

को-एग्जिस्ट करना सीखो : दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता जानवरों के प्रति खास जुड़ाव रखती हैं और अक्सर उनके प्रति प्यार और सुरक्षा को लेकर अपनी राय रखती रहती हैं। अभिनेत्री ने एक खास पोस्ट की, जिसके जरिए उन्होंने स्ट्रीट डॉग्स की सेफ्टी को लेकर खास अपील की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके मेकअप रूप पर एक स्ट्रीट डॉग बैठा है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके मेकअप रूप पर एक स्ट्रीट डॉग बैठा है। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि एक डॉग उनके मेकअप रूप के बाहर असहाय हालत में बैठा था, जिसके बाद उन्होंने उसे अपने मेकअप रूप में बुला लिया। अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने लिखा, 'डॉग सेट पर इधर-उधर खाना ढूंढ़ रही थी, लोग उसे नजरअंदाज कर रहे थे या फिर डांटकर भगा रहे थे। उसी समय मैं अपना मेकअप टचअप करवाने आई थी। डॉग दरवाजे से झांक रही थी, जैसे पूछ रही हो, 'क्या मैं अंदर आ सकती हूं?' और बस मुझे इतना कहा कि आजा और वह चुपचाप अंदर आ गई थोड़ी डरी हुई। मैने पूछा कि कुछ खाएंगी? बाद में उसने पूंछ हिलाई और मेरे पास आकर बैठ गई। ' अभिनेत्री ने बताया कि बाद में उनका असिस्टेंट उसके लिए खाना और दूध लेकर आया था। उन्होंने लिखा, 'वह बहुत भूखी थी, मेरे असिस्टेंट ने उसे जो दिया था। उसने तुरंत ही सब कुछ खत्म कर दिया और ज्यादा नहीं मांगा। बस वहीं बैठी रही। शायद कमरे में सेफ महसूस कर थी। उसे देख सभी के चेहरे में स्माइल आ गई थी। अभिनेत्री ने सभी सवाल करते हुए लिखा कि हम उन्हें भगाते, मारते और दूर क्यों करते हैं, जो हम पर डिपेंड हैं? जिनका हमारे साथ रहने का उतना ही हक है? पहले मुझे स्ट्रीट डॉग से बहुत डर लगता था। उन्होंने लिखा, 'मैं अब जब भी देखती हूं कि इन जानवरों को लगातार टारगेट किया जाता है, तो मैं खुद आगे बढ़कर उनकी मदद करती हूं। उन्हें ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, बस थोड़ा खाना और प्यार की चाहत है। हम कौन होते हैं ये तय करने वाले कि हमारे साथ कौन रहेगा और कौन नहीं, ये ऊपर वाले का काम है। उन्होंने आगे लिखा, 'हमारा काम बस ऊपर वाले की कायनात में सबके साथ मिल-जुल कर रहना है। अभी भी मेरे चेहरे पर हल्की सी स्माइल है। मैं उम्मीद करती हूं कि आज कोई और भी उससे दोस्ती करेगा। बाय छोटी... तुमको हमेशा सेफ जगह मिले।

सास-बहू के रिश्ते पर बोलीं मीनाक्षी शेषाद्रि

'मैं पर्सनली चाहती हूं कि शादी के बाद मां और बेटी जैसा रिश्ता हो'

बॉलीवुड फिल्मों में सास और बहू का रिश्ता लंबे समय से एक खास तरह से दिखाया जाता रहा है। कभी दोनों के बीच छोटी-छोटी बातों पर तकरार दिखाई जाती है, तो कभी सास को सख्त और बहू को परेशान रहने वाली महिला के रूप में पेश किया जाता है। 90 के दशक की कई फिल्मों में यह रिश्ता कहानी का बड़ा हिस्सा हुआ करता था।

अब दिग्गज अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने भी फिल्मों में दिखाए जाने वाले इस रिश्ते पर अपनी बात रखी है। उन्होंने अपनी फिल्म 'घर हो तो ऐसा' को याद करते हुए कहा कि पर्दे पर सास-बहू के रिश्ते को अक्सर नकारात्मक तरीके से दिखाया गया है, जबकि असल जिंदगी में यह रिश्ता प्यार और समझ से भरा होना चाहिए। मीनाक्षी शेषाद्रि ने अपनी 1990 में रिलीज हुई फिल्म 'घर हो तो ऐसा' के मशहूर गाने 'जनवरी फरवरी' का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वीडियो में वह काफी स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं। उन्होंने गाने पर अपने डांस और एक्सप्रेशन से पुरानी यादें ताजा कर दीं।

इस वीडियो के साथ मीनाक्षी ने फिल्म और उसमें दिखाए गए सास-बहू के रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, ''फिल्म 'घर हो तो ऐसा' में मैंने ऐसी बहू का किरदार निभाया था, जो अपनी सास के गलत व्यवहार के सामने चुप नहीं रहती। फिल्म में मेरी सास का किरदार दिग्गज अभिनेत्री बिंदू ने निभाया था। मेरे किरदार ने सास को कुछ कड़े सबक सिखाए थे।'' उन्होंने आगे लिखा, ''फिल्म में सास-बहू के बीच होने वाले टकराव को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के साथ-साथ इसमें कॉमेडी और ड्रामा भी जोड़ा गया था। कहानी में कराटे के सीन भी देखने को मिले थे। फिल्म ने घरेलू रिश्तों से जुड़े एक गंभीर मुद्दे को मनोरंजन के साथ दर्शकों के सामने रखा था। फिल्म में बहू, सास के गलत व्यवहार का सामना करता है और अपने लिए आवाज उठाती है।''

कुब्रा ने शुरू की फर्जी 2 की शूटिंग

फिर नज़र आएंगी सायरा के किरदार में

मुंबई अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज़ 'फर्जी 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। पहले सीज़न में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली कुब्रा अब एक बार फिर सायरा के किरदार में वापसी कर रही हैं। इसके मद्देनज़र कुब्रा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर अपनी वैनिटी वैन के बाहर खिंचवाई गई कई तस्वीरें साझा की हैं, जिन पर 'सायरा' और 'फ़र्ज़ी 2' लिखा हुआ नजर आ रहा है। तस्वीरों के साथ उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में लिखा है, 'क्या ये झूठी खबर है ?' लेकिन फिर खुद ही इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा है, 'हाँ यार! 'आख़िरकार बेहद उत्साहित हूँ... तो चलिए, 'फ़र्ज़ी 2' की शुरुआत करते हैं!' कुब्रा ने इस दिलचस्प पोस्ट के साथ कैप्शन में यह भी लिखा है, 'चलिए, अब इस ढेर सारी खुशी की शुरुआत करते हैं!' फिलहाल इस पोस्ट के ज़रिये शो को लेकर कुब्रा की खुशी और उत्साह, साफ नज़र आ रहा है। वैसे कुब्रा इससे पहले भी बता चुकी हैं कि जब उन्हें 'फर्जी' ऑफर हुई थी, तब उन्होंने दोनों सीज़न के लिए एक साथ कमिटमेंट किया था। अब उनकी यह पोस्ट उस लंबे इंतज़ार के खत्म होने और दूसरे सीज़न की शुरुआत का संकेत है। राज और डीके द्वारा निर्मित 'फर्जी' में कुब्रा सैत के साथ शाहिद कपूर, विजय सेतुपति, राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा, के के मेनन और ज़ाकिर हुसैन अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं। पहले सीज़न में कुब्रा ने सायरा का किरदार निभाया था, जो के के मेनन के किरदार मंसूर दलाल से जुड़ी हुई थी। हालांकि दूसरे सीज़न में उनके किरदार की कहानी किस दिशा में आगे बढ़ेगी, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत पिछले साल फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के बाद इस साल निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा की वेब सीरीज़ 'संकल्प' में नजर आई थीं, जहां उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों, ने काफी सराहा था। गौरतलब है कि अभिनय के अलावा लेखन, होस्टिंग और हाल ही में स्टैंड-अप कॉमेडी में भी अपनी पहचान बना चुकी कुब्रा सैत, टैलेंट का पावरहाउस बन चुकी हैं। यही वजह है कि 'फर्जी 2' के साथ उनकी वापसी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

लंबे समय से अपनी इस एक आदत से जूझ रहे हैं Suniel Shetty

अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपने इंट्रोवर्ट स्वभाव के बारे में बात की है, जिसे वह अपनी कमी मानते हैं और अभिनय की दुनिया में इसे मुश्किल बताते हैं। हर इंसान का अलग-अलग व्यक्तित्व होता है। कुछ लोग बहुत ज्यादा बात करना पसंद करते हैं तो कुछ इंट्रोवर्ट होते हैं जिन्हें ज्यादा लोगों से बात करना पसंद नहीं होता। अभिनेता सुनील शेट्टी का कहना है कि वह भी इंट्रोवर्ट स्वभाव के हैं। हालांकि, वह इसे अपनी कमी मानते हैं। अभिनय की दुनिया में इंट्रोवर्ट होना काफी मुश्किल बात मानी जाती हैं, क्योंकि यहां कलाकार को कई कलाकारों के साथ काम करना पड़ता है।

एंकरिंग के नाम पर हो जाते हैं नर्वस

सुनील कहते हैं,'मैं कभी लोगों से बहुत ज्यादा खुलकर बात नहीं कर पाया। जब भी मुझे कहीं एंकरिंग के लिए कहा जाता था तो मैं नर्वस हो जाता था। यह सच है कि फिल्मों में काम करते हुए इंट्रोवर्ट होने से काम मुश्किल हो जाता है। इसलिए अगर कोई मुझसे कहता कि तुम्हें नाटक करना चाहिए तो मुझे हमेशा लगता था कि मैं अपनी पंक्तियां भूल जाऊंगा। यह अजीब है, लेकिन मैं ऐसा ही हूं। यही मेरा स्वभाव है, यह एक ऐसी कमी है जिससे मैं बाहर नहीं निकल पाया।'

कोई दूसरी शादी नहीं हो रही

गोविंदा के मैनेजर ने सुनीता के दावों को किया खारिज

गोविंदा और सुनीता की शादीशुदा जिंदगी उतार-चढ़ाव से गुजर रही है। बीते दिनों सुनीता ने दावा किया था कि गोविंदा रूमर्ड गर्लफ्रेंड के साथ दूसरी शादी करने की प्लानिंग में हैं। इन दावों पर चीची के मैनेजर का रिएक्शन सामने आया है। अभिनेता गोविंदा और सुनीता आहूजा अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। कुछ वक्त पहले भी दोनों के अलगाव की खबरें सामने आई थीं। सुनीता ने तलाक का केस फाइल किया था। वहीं, दो दिन पहले उन्होंने तलाक का केस वापस ले लिया। इस बीच उन्होंने ऐसा दावा किया कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी में थे। सुनीता के इन दावों को गोविंदा के मैनेजर ने खारिज किया है। गोविंदा और सुनीता आहूजा की निजी जिंदगी के विवाद ने एक नया मोड़ ले लिया है। बीते दिन सुनीता ने राखी सावंत से बात करते हुए इस बात का खुलासा किया कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयार कर रहे थे। सुनीता ने यह बात उस वक्त कही, जब राखी पैपराजी के सामने ही फोन स्पीकर पर रखकर उनसे बातें कर रही थीं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।